



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 138]  
No. 138]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 25, 2013/आषाढ़ 4, 1935  
NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 25, 2013/ASADHA 4, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जून, 2013

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण. के मूल के या वहां से निर्यातित जिक आक्साइड के आयात पर पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा अंतिम जांच परिणाम- के संबंध में ।

सं. 15/14/2011-डीजीएडी.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और उसके अंतर्गत बने सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं का पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

यतः, समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1975 (जिसे एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन गण (जिसे एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 'जिक आक्साइड' (जिसे एतदपश्चात सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर दिनांक 05 अक्टूबर, 2001 की अधिसूचना सं. 62/1/2000-डीजीएडी के तहत मूलतः निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने की सिफारिश की थी और यतः, केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 02 नवम्बर, 2001 की अधिसूचना सं. 115/2001-सीमाशुल्क के तहत दिनांक 09-04-2001 से प्रभावी निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया था

2. यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई एक निर्णायक समीक्षा के आधार पर सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर प्राधिकारी ने अपनी दिनांक 04 अप्रैल, 2007 की अधिसूचना सं. 15/4/2005-डीजीएडी के तहत निर्णायक पाटनरोधी शुल्क की अनुवृत्ति की सिफारिश की थी और यतः, केन्द्रीय सरकार ने निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करते हुए दिनांक 07 मई, 2007 को अधिसूचना सं. 64/2007-सीमाशुल्क जारी की थी।
3. यतः, मै. ट्रान्सपेक सिलाक्स लिमिटेड और मै.रुबामिन लिमिटेड ने चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "जिंक आक्साइड" के पाटन का आरोप लगाते हुए अधिनियम एवं पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत साक्ष्यांकित आवेदन दायर किया था और पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसमें संशोधन करने और उसकी निरंतरता बनाए रखने का अनुरोध किया था।
4. और, उस पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार प्राधिकारी ने प्रभावी शुल्क के सतत अधिरोपण की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने कि क्या उस शुल्क की समाप्ति से पाटन और क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, एक निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 2 मई, 2012 को एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया था।
5. और, यतः, दिनांक 07 मई, 2007 की अधिसूचना सं. 64/2007-सीमाशुल्क के तहत यथा अधिसूचित पाटनरोधी शुल्क, अधिनियम की धारा 9(क) (5) में दी गई शर्तों के अनुरूप दिनांक 18 मई, 2012 की अधिसूचना संख्या 27/2012-सीमाशुल्क के तहत दिनांक 6 मई, 2013 तक के लिए बढ़ाया गया था।

#### ख. प्रक्रिया

6. इस जांच में निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:
  - i. प्राधिकारी ने, घरेलू उद्योग के रूप में मै. ट्रान्सपेक सिलाक्स लिमिटेड और मैसर्स रुबामिन लिमिटेड से, चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित जिंक आक्साइड के आयातों पर प्रभावी शुल्क की समीक्षा करने, उसका संवर्धन करने और उसकी अनुवृत्ति बनाए रखने के लिए, विधिवत साक्ष्यांकित एक निर्णायक समीक्षा जांच करने के लिए आवेदन पत्र प्राप्त किया। याचिकाकर्ताओं ने इस संबंध में, प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसकी अनुवृत्ति बनाए रखने और इसका संवर्धन करने का अनुरोध करते हुए, प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किए।

- ii. प्राधिकारी ने, जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराते हुए याचिकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर, चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित जिंक आक्साइड के आयातों के सम्बंध में एक जांच शुरुआत अधिसूचना दिनांक 2 मई, 2012 से प्रारंभ करने का निश्चय किया।
- iii. वर्तमान समीक्षा का दायरा विगत अधिसूचनाओं के सभी पहलुओं को कवर करता है।
- iv. सम्बद्ध देश के भारत स्थित राजदूतावास को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार इस जांच के प्रारंभ होने की सूचना दी गई थी।
- v. प्राधिकारी ने दिनांक 2 मई, 2012 की जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रतियां, प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, भारत में सम्बद्ध देश के राजदूतावास; सम्बद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों; ज्ञात आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों; और घरेलू उत्पादकों को भेजी। इस जांच में शामिल पक्षकारों से निर्धारित स्वरूप एवं ढंग से प्रश्नावलियों के प्रत्युत्तर भेजने और निर्धारित समय सीमा के अंदर अपने विचारों से प्राधिकारी को लिखित रूप में अवगत कराने का अनुरोध किया गया। निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों और प्रश्नावलियों की प्रतियां, ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित, भारत में सम्बद्ध देश के राजदूतावासों को इस अनुरोध के साथ भेजी गई कि वे सम्बद्ध देश के निर्यातकों/उत्पादकों को, निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत प्रश्नावलियों का प्रत्युत्तर देने का सुझाव दें।
- vi. संगत जानकारी प्रदान कराने के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार सम्बद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नालियां भेजी गई:-

अंकी हेन्गसान कैमिकल कम्पनी दन्सान गांव, जिनान स्ट्रीट वीफांग, शान्डांग, चीन (मुख्यभूमि) जिप: 262109	चीन हाईशाइन इण्डस्ट्री कंपनी लिमिटेड शान्डांग जिबो हाइटेक डिवलपमेंट जोन, चीन
गाओयी सनपावर कैमिकल कम्पनी लिमिटेड (इसे शिजिया शुआंग सनपावर टेक्नालोजी कम्पनी लिमिटेड भी कहा जाता है।) शिलियान्गझुआंग इंडस्ट्री जिला, गाओयी कण्ट्री, शिजियाझुआंग, हीबेई, चीन (मुख्यभूमि), जिप: 050000	हेंगयांग यूक्सिंग कैमिकल कम्पनी लिमिटेड (सं.217, 2/एफ, चौन्गयी भवन) 33, चैन्गफेंग रोड, हाई एंड न्यू इण्डस्ट्रियल डिवलपमेंट जोन, होन्गयांग, हनान, चीन (मुख्यभूमि) जिप: 421141
लैवू चेन्गिजया कैमिकल कंपनी लिमिटेड सं.51, चांगशाओ नार्थ रोड (बिल्डिंग एलांग दि स्ट्रीट, यिक्सिन्युयान कम्प्युनिटी) लैवू, शान्डांग, चीन (मुख्यभूमि), जिप: 271100	लिउझाऊ ग्लोरी जिंग मिन्मेटकेम कम्पनी लिमिटेड आर एम, 15ए 05ए, हाँक्सिन इन्टे एल, 17, ईस्ट तान्झांग रोड, लिउझाऊ, गौनाक्सी, चीन

	(मुख्यभूमि)
शिजियाझुआंग इन्ड्युयानजिक कम्पनी लिमिटेड शिलियान्गाझुआंग इंडस्ट्री एरिया गाओयी काउण्टी, शिजियाझुआंग, हीबेई, चीन (मुख्यभूमि) जिप: 051330	वीफेंग क्विंगलियान जिंक आक्साइड कंपनी, लिमिटेड यूक्विंग पश्चिम मार्ग के दक्षिणी ओर, विदेशी निवेश विकास जोन, वीफेंग, शान्दांग, चीन (मुख्यभूमि)
झेंगझाऊ परफैक्ट कैम कम्पनी लिमिटेड सं. 0802, 8/एफ, यूनिट 2, यार्ड 86 झेंगहुआ रोड, जिन्शुई जिला, झेंगझाऊ हीनान, चीन (मुख्यभूमि)	झुचेन्ग यून्फेंग जिंक आक्साइड प्लांट, रोन्गझी गांव, जिआयूई टाउन, वीफेंग, शान्दांग, चीन (मुख्यभूमि)
झुझाऊ झांग ली कैमिकल कंपनी लिमिटेड साउथ ईण्ड आफ झुई रोड, क्विंगशुइटांग, शीफेन्ग जिला, झुझाऊ, हुनान, चीन (मुख्य भूमि)	गुआंग्क्सी कैमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन 8वां तल, गुआक्सी विदेश व्यापार भवन सं. 137, क्विक्सिंग गुआक्सी, चीन
शिनीकैम हीनान कम्पनी लिमिटेड ब्लाक 10, हीवुआचेंमंग 31, तीसरा हाल्दियान रोड, हैनान, चीन	चीन नेशनल कैमिकल कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन 16 क्विक् यू हेपिंगली बीजिंग, चीन
चीन हुनान कैमिकल्स इम्पोर्ट/ एक्सपोर्ट लिमिटेड 5वां तल, भवन 'बी' फुरामा इंटरनेशनल होटल सं. 88 बार्यी रोड, चैन्गशा हुनान, चीन	मुडान्जियांग एम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, सं. 88, बीक्सियों-अमीन एस टी जियान जिला, मुडान्जियांग सिटी, हीलोन्गजियान प्रांत, चीन
वुक्सी कैमिकल्स इंडस्ट्री ग्रुप कम्पनी लिमिटेड, 274, किसचेन्ग रोड, वुक्सी, जैन्गसु, चीन	

vii. तथापि, उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातक में से किसी ने भी प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है।

viii. भारत में सम्बद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों, प्रयोक्ताओं और एसोसिएशनों को भी आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्नावली भेजी गई:

जेनिथ रबड़ एवं प्लास्टिक वर्क्स, ए-2, पारिख महल, 80, वीर नरीमन रोड, चर्च	जे एस गुप्ता एंड सन्स रामपुर रोड, मुरादाबाद-244001 उत्तर प्रदेश
--	---

गेट, मुम्बई-400020	
ओरियटल रबड़ इंडस्ट्रीज लिमिटेड श्रावणी गार्डन्स, 20 वीमन नगर रोड, पुणे, महाराष्ट्र-411914	कोहिनूर इंडिया लिमिटेड, बस्ती बाबा खेल, कपूरथला रोड, जलंधर-21
अपोलो टायर्स लिमिटेड अपोलो हाऊस, 7, औद्योगिक क्षेत्र, सेक्टर-32, गुडगांव-122001	सिएट लिमिटेड 463, डॉ. ऐनी बेसेंट रोड, मुम्बई -400030
जे के इंडस्ट्रीज लिमिटेड लिंग हाऊस, 3, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली -110002	बिरला टायर्स शिवम चैम्बर, 53 सय्यद अमीर अली एवेन्यू, कोलकाता- 700019
एम आर एफ लिमिटेड 124, ग्रीन्स रोड चैन्नई-600006	बालकृष्ण इंडस्ट्रीज लिमिटेड 421/422 क्रियेटिव, 72 एन एम जोशी मार्ग मुम्बई-400011
वीयर वेल नियर सपना डैम गांव सुहागपुर, जिला-बेतुल, मध्य प्रदेश	मल्होत्रा रबड़ लिमिटेड ई-77 कीर्ति नगर नई दिल्ली-110015
गुडयीयर इंडिया लिमिटेड मथुरा रोड, बल्लवगढ़ रोड, हरियाणा-121004	एसोकैम 147-वी गौतम नगर गुलमोहर एन्क्लेव, नई दिल्ली-110049
फिक्की फेडरेशन हाऊस तानसेन मार्ग, नई दिल्ली-110001	भारतीय उद्योग परिसंघ इंडिया हेवीटेड सेंटर कोर-4क(चौथा तल), लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
आटोमोटिव टायर विनिर्माण एसोसिएशन पीएचडी हाऊस (चौथा तल) एशियन खेल गांव के सामने सिरी फोर्ट औद्योगिक क्षेत्र नई दिल्ली-110016	इंडियन सिरेमिक सोसाइटी 101, नीलदीप टावर्स पी.ओ. नवजीवन अहमदाबाद-380014

ix. इस जांच शुरुआत अधिसूचना के प्रत्युत्तर में, किसी भी अयातक, प्रयोक्ता अथवा एसोसिएशन ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया।

- x. जांच की अवधि और उससे पहले के तीन वर्षों के लिए आयात आंकड़े वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त किए गए।
- xi. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपान्तर पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुली रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराई।
- xii. उन निर्यातकों, उत्पादकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, जिन्होंने इस जांच से संगत न तो कोई सूचना उपलब्ध कराई और न ही प्राधिकारी को कोई प्रत्युत्तर दिया, प्राधिकारी द्वारा असहयोगकर्ता हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया।
- xiii. प्राधिकारी ने, वर्तमान क्षति तथा क्षति की अनुवृत्ति/पुनरावृत्ति की संभावना का विश्लेषण करने तथा भारत में सम्बद्ध वस्तु की उत्पादन लागत एवं गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की यथासंभव सीमा तक जांच की, जिससे कि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xiv. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अंतर्गत सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार मौखिक रूप से व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 10 अप्रैल, 2013 को एक मौखिक सुनवाई का आयोजन किया। इस मौखिक सुनवाई में केवल घरेलू उद्योग ने भाग लिया। घरेलू उद्योग से अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त अपने विचारों को लिखित रूप में भी उपलब्ध कराएं। घरेलू उद्योग से प्राप्त लिखित प्रस्तुतिकरणों में दिए गए तर्कों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में संगत पाई गई सीमा तक, विचार किया गया।
- xv. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पी ओ आई) 01 अप्रैल, 2011 से 31 मार्च, 2012 है। तथापि, क्षति विश्लेषण में वर्ष 2008-09, 2009-10, 2010-11 तथा जांच की अवधि को शामिल किया जाएगा। पाटन एवं क्षति की संभावना का निर्धारण करने के लिए जांच की अवधि से परे के आंकड़ों की भी जांच की जा सकती है।
- xvi. प्रतिभागी घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना एवं आंकड़ों का जरूरी समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया।
- xvii. घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। प्राधिकारी ने, संतुष्ट होने पर, जहां कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और ऐसी सूचना को गोपनीय के रूप में माना गया तथा उसका प्रकटन किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार को नहीं किया गया।
- xviii. वर्तमान जांच के दौरान जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना तक पहुंच की मनाही कर दी अथवा अन्यथा उसे प्रदान नहीं कराया अथवा जांच में पर्याप्त रूप से

अवरोध उत्पन्न किया, वहां प्राधिकारी ने 'उपलब्ध तथ्यों' के आधार पर यह निष्कर्ष रिकार्ड किए।

xix. इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में इस जांच के अनिवार्य तथ्यों युक्त एक प्रकटन विवरण जो अंतिम जांच-परिणाम का आधार है, सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 12.06.2013 को जारी किया गया था। इस प्रकटन विवरण का प्रत्युत्तर केवल घरेलू उद्योग ने दिया है और किसी भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने इस प्रकटन विवरण का प्रत्युत्तर नहीं दिया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्राप्त प्रकटन पश्चात विवरणों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में संगत पाई गई सीमा तक विचार किया गया है।

xx. यह जांच पूरी करनी की मूल तारीख 01 मई, 2013 थी। तथापि, प्राधिकारी के अनुरोध पर यह तारीख वित्त मंत्रालय द्वारा बढ़ा दी गई थी।

xxi. जांच की अवधि के लिए संयुक्त राज्य विनिमय दर को वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार-48.14/-रुपया = 1 अमरीकी डालर के रुप में लिया गया है।

#### ग. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विविध प्रस्तुतिकरण तथा उनकी जांच

7. घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया कि अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रतिभागिता न किए जाने की स्थिति में निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, इस मामले में प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा किसी भी प्रकार का प्रत्युत्तर न दिए जाने की स्थिति में अन्य किसी सुनवाई की जरूरत नहीं है।

#### घ. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

##### घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

8. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि वर्तमान समीक्षा जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है। मूल जांच, तथा प्रथम निर्णायक समीक्षा जांच और वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में अंतर्ग्रस्त उत्पाद जिंक आक्साइड है। चूंकि वर्तमान जांच पहले से अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की केवल एक समीक्षा है, इसलिए वर्तमान निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो विगत जांचों में था। इसके अतिरिक्त यह तर्क दिया जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित जिंक आक्साइड तथा चीन जन गण से आयातित जिंक आक्साइड दोनों समान उत्पाद हैं और इसलिए यह अपेक्षित नहीं है कि इस निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के दायरे की जांच की जाए। जिंक आक्साइड एक अकार्बनिक

रसायन है और इसे सीमा शुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अध्याय 28 तथा अध्याय 38 के अंतर्गत दो विभिन्न सीमा शुल्क वर्गीकरणों के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। यह प्रस्तुत किया जाता है कि शुल्क की संस्तुति दोनों वर्गीकरणों के संबंध में की जानी चाहिए।

## घ.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

9. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी ग्रेडों वाला जिंक आक्साइड ही है जो मूल जांच में था। जिंक आक्साइड सफेद/ अर्ध सफेद रंग का पाउडर होता है जिसका रासायनिक फार्मूला 'जेड एन ओ' होता है। इसका नियमित, आई पी तथा फीड ग्रेड नामक तीन ग्रेडों में उत्पादन किया जाता है। नियमित ग्रेड में न्यूनतम 98 प्रतिशत शुद्धता होती है, जबकि आईपी में, इसकी न्यूनतम शुद्धता 99 प्रतिशत होती है। इसका प्रयोग आटोमोबाइल टायर्स, रबर की वस्तुओं, उच्च शुद्धता वाले जिंक रसायन जैसे सल्फेट, क्लोराइड आदि का विनिर्माण करने में किया जाता है। इसका प्रयोग सिरैमिक उद्योग में कच्चे माल के रूप में तथा पशुचारा विनिर्माण में अनुपूरक के रूप में भी किया जाता है।

10. इसे सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 28 के सीमाशुल्क उपशीर्षक 2817.0010 के अंतर्गत तथा अध्याय 38 के सीमाशुल्क उपशीर्षक 3812.3030 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है तथा यह वर्तमान जांच के दायरे में किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

11. वर्तमान समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो इससे पिछली जांचों में था क्योंकि वर्तमान जांच पहले से अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की केवल समीक्षा है।

12. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु तथा सम्बद्ध देश से निर्यातित वस्तु दोनों समान हैं तथा वे दोनों वाणिज्यिक रूप से एवं तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः, प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सम्बद्ध वस्तु तथा विचाराधीन उत्पाद दोनों, नियम 2(घ) तथा उसके अंतर्गत बने नियमों अनुसार समान वस्तुएं हैं।

## ड. घरेलू उद्योग का दायरा

### ड.1 घरेलू उद्योग के विचार



13. घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि देश में जिंक आक्साइड के उत्पादन से संबंधित कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है। मूल जांच के समय पर भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपेक्षित कच्चे माल अर्थात् जिंक आक्साइड का उत्पादन करने के लिए जिंक, की खपत और उपभोक्ता वर्ग द्वारा जिंक आक्साइड की खपत का आकलन करके जिंक आक्साइड के भारतीय उत्पादन का निर्धारण किया था। याचिकाकर्ताओं ने इस समीक्षा जांच में भी जिंक आक्साइड के भारतीय उत्पादन का निर्धारण करने के लिए वही क्रियापद्धति अपनाई है। याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है। इसके अतिरिक्त, निर्णायक समीक्षा में, जांच की शुरुआत के स्तर पर लिए गए आधार की जांच करना अपेक्षित नहीं है।

14. इस विचाराधीन उत्पाद को पहले एसएसआई समूह में सूचीबद्ध किया गया था। तथापि, अब इस उत्पाद को गैर सूचीबद्ध कर दिया गया है तथा उद्योग को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

## 3.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

15. पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत नियम 2 (ख) में प्रावधान है कि:

“घरेलू उद्योग” का आशय समान वस्तु के विनिर्माण या उससे सम्बंधित किसी अन्य क्रियाकलाप में समग्र रूप से अंतर्ग्रस्त उन सभी घरेलू उत्पादकों अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के समस्त घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो, सिवाय इसके कि यदि ये उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबंधित हों अथवा उसके स्वयं आयातक हों, तो ऐसे मामलों में वाक्यांश “घरेलू उद्योग” को शेष उत्पादकों का उल्लेख करते हुए के रूप में माना जाएगा”

16. यह आवेदन पत्र घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स ट्रांसपेक सिलोक्स लिमिटेड और मैसर्स रुबामिन लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से दायर किया गया है। पिछली जांच परिणाम में यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग में भारी संख्या में लघु उद्योग यूनिटें हैं। इस विचाराधीन उत्पाद के अधिकांश उत्पादक असंगठित क्षेत्र में हैं। यह याचिका जिंक आक्साइड के ऐसे दो सबसे बड़े उत्पादकों द्वारा दायर की गई है जिनका निजी उत्पादन 25 प्रतिशत से कम है परंतु उनका सामूहिक उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 41 प्रतिशत के बराबर बनता है। ऐसा कोई उत्पादक नहीं है जिसने वर्तमान जांच का विरोध किया हो। उपलब्ध सूचना के अनुसार, आवेदकों का उत्पादन संबद्ध वस्तु के भारतीय उत्पादन में एक बड़ा अनुपात बनता है और इस कारण नियमों के आशय के अंतर्गत वे घरेलू उद्योग बनते हैं।

## च. पाटन का आकलन-क्रियापद्धति एवं प्राचल

### च.1 घरेलू उद्योग के विचार

17. घरेलू उद्योग ने संक्षेप में निम्नलिखित दावा किया है:

क. चीन के किसी भी उत्पादक ने प्रत्युत्तर नहीं दिया है।

ख. चीन के उत्पादकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था माहौल में प्रचालन करते हुए के रूप में माना जाना चाहिए।

ग. इस तथ्य का निर्धारण होने के पश्चात कि चीन के उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिये जाने के पात्र नहीं है प्राधिकारी को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन करना चाहिए। सामान्य मूल्य का निर्धारण तृतीय देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा निर्मित मूल्य के आधार पर इस कारण से नहीं किया जा सकता है कि संगत जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। इस आधार पर सामान्य मूल्य पर पहुंचने के उद्देश्य से प्राधिकारी को ऐसे तृतीय देश में किसी सहयोगकर्ता उत्पादक द्वारा की गई सभी घरेलू बिक्रियों तथा इसके उत्पादन लागत एवं अन्य सभी सहयोगी जानकारी एवं साक्ष्यों (व्यापार के सामान्य अनुक्रम में उपलब्ध सभी जानकारी सहित) संबंधी संपूर्ण एवं व्यापक सत्यापन योग्य सूचना की जरूरत होगी। पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 के अंतर्गत यथानिर्धारित उचित प्रतिस्पर्धा के सिद्धांत भी इस बारे में संगत होंगे। याचिकाकर्ता तृतीय देश की बाजार अर्थव्यवस्था में किसी उत्पादक से ऐसी सूचना प्राप्त करने में सक्षम नहीं हुए हैं।

घ. चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन लागत का विधिवत समायोजन करने के आधार पर किया गया है। याचिकाकर्ताओं ने सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वाधिक कारगर उत्पादक के खपत मानदंडों एवं अधिप्रापण कीमतों को अपनाकर किया है।

ड. मूल एवं पिछली निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी ने चीन से किसी भी निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया था और चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण यथासंशोधित उक्त नियम के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार युक्तियुक्त लाभ सहित चीन में संबद्ध वस्तु की अनुमानित उत्पादन लागत के आधार पर विनिर्मित सामान्य मूल्य के आधार पर किया था। याचिकाकर्ताओं ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह वर्तमान जांच में भी चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन करते समय उसी क्रियापद्धति पर विचार करें।

च. निर्दिष्ट प्राधिकारी न्यून अथवा शून्य प्रत्युत्तर के मामले में अन्य देशों के व्यवहारों की समीक्षा कर सकते हैं।

## च.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

### क) सामान्य मूल्य

18. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को यह सुझाव देते हुए प्रश्नावलियां भेजी कि वे निर्धारित स्वरूप और ढंग से सूचना उपलब्ध कराएं। चीन के उत्पादकों/निर्यातकों ने न तो प्रश्नावलियों का उत्तर दिया और न ही कोई अन्य प्रस्तुतीकरण किया।

19. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में चीन जन गण को भारत द्वारा की गई पाटनरोधी जांचों में, पाटनरोधी नियमावली में उल्लेखित शर्तों के अनुसार निर्यातक देश द्वारा अथवा व्यक्तिगत निर्यातक/उत्पादक द्वारा उसे प्रकल्पित प्रखंडन करने के अध्यक्षीन, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है।

20. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खंडन किया जा सकता है, यदि चीन जन गण के निर्यातक/उत्पादक पैराग्राफ 8 के उप-पैरा (3) ने निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर पर्याप्त साक्ष्य एवं सूचना उपलब्ध कराते हैं और इसके विपरीत तथ्य स्थापित करते हैं। चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के सहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था उपचार प्रश्नावली के प्रत्युत्तर के पैराग्राफ 8 के उपपैरा (3) में यथाउल्लिखित जरूरी सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे ताकि प्राधिकारी यह निर्धारण करने के लिए उचित प्रक्रिया का अनुपालन कर सके कि क्या:

- चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों का यह निर्णय कि कीमत, लागत और इनपुट, कच्चे माल सहित, प्रौद्योगिकी की लागत, श्रम, उत्पादन, बिक्री और किये गये निवेश बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किये जाते हैं और उनमें मांग एवं आपूर्ति प्रदर्शित होती है तथा इस संबंध में राज्य का कोई विशेष हस्तक्षेप नहीं होता है और बड़े-बड़े इनपुटों की लागत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती है।
- इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पिछली गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से प्राप्त, भारी विकृतियों, खासकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य पुनर्मूल्यांकन, विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के तहत भुगतान के अध्यक्षीन है
- यह फर्में दिवालियापन और सम्पदा विधियों के अध्यक्षीन हैं जो फर्मों का प्रचालन करने के लिए विधिक निश्चितता एवं स्थायित्व की गारंटी देते हैं।
- विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है।

21. यह नोट किया जाता है कि चीन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने न तो प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया है और न ही पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की प्रकल्पना का खंडन करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था उपचार प्रश्नावली का प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है। चीन के उत्पादकों/ निर्यातकों से बाजार अर्थव्यवस्था उपचार के संबंध में सहयोग और खंडन के अभाव में प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के निर्यातकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अंतर्गत कार्य करते हुए मानकर सामान्य मूल्य का और नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

22. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में प्रावधान है कि:

‘गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण तृतीय देश बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत या विनिर्मित मूल्य अथवा इन तृतीय देशों से, भारत सहित, अन्य देशों को कीमत के आधार पर अथवा जहां यह संभव न हो वहां किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर, तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करते हुए, समान उत्पाद के लिए भारत में संदत्त अथवा देय समान वस्तु के आधार पर किया जा सकता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा, संबंधित देश और प्रश्नाधीन उत्पाद के विकास के स्तर को ध्यान में रखते हुए एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश का चयन तर्कसंगत ढंग से किया जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई जाने वाली किसी भी भरोसेमंद सूचना पर समुचित ध्यान दिया जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के बारे में किसी समान मामले में की गई जांच को, उपयुक्त समझी गई समय सीमा के अंदर ध्यान में रखा जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के उपर्युक्त चयन के बारे में बिना किसी अतर्कसंगत विलम्ब के जांच के पक्षकारों को सूचित किया जाएगा और उन पर अपनी टिप्पणियां प्रदान करने के लिए तर्कसंगत समयावधि प्रदान की जाएगी।’

23. चूंकि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अंतर्गत यथा-उल्लिखित गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना अखंडित रह जाती है इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उल्लिखित अन्य तरीकों के संबंध में रिकार्ड में पर्याप्त जानकारी के अभाव के कारण प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण “किसी अन्य तर्क संगत आधार” युक्त तरीका अपनाकर किया है।

24. प्राधिकारी ने कीमतों, कच्चे माल की खपत मानदंडों, परिवर्तन लागत और एसजीए के संबंध में सर्वाधिक कार्यकुशल घरेलू उत्पादक पर भरोसा किया है। विनिर्मित सामान्य मूल्य

पर पहुंचने के लिए उत्पादन लागत पर 5 प्रतिशत की दर से लाभ जोड़ा गया है। इस तरीके को अपनाकर सामान्य मूल्य का परिकलन \*\*\* अमेरिकी डालर प्रति मी.टन के हिसाब से किया गया है।

### ख) निर्यात कीमत

25. प्राधिकारी ने चीन से सम्बद्ध वस्तु के निर्यात के संव्यवहार-वार आंकड़े डीजीसीआईएस से प्राप्त किये हैं। फैक्टरी-बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए \*\*\* प्रतिशत की दर से समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, मूल्यवर्धन कर समायोजन, 0.5 प्रतिशत की दर से अंतर्देशीय भाड़े, 0.5 प्रतिशत की दर से पत्तन व्यय और 0.2 प्रतिशत की दर से बैंक प्रभार का समायोजन करके निवल निर्यात कीमत का समायोजन किया गया है। समायोजन करने के पश्चात फैक्ट्री बाह्य निर्यात कीमत का परिकलन \*\*\* अमेरिकी डालर प्रति मी.टन के हिसाब से किया गया है।

### ग) पाटन मार्जिन

26. इस प्रकार फैक्ट्री बाह्य स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर, जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से सभी निर्यातकों/ उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन \*\*\* अमेरिकी डालर प्रति मी.टन से निर्धारित किया गया जो निर्यात कीमत का \*\*\* प्रतिशत है। अधोलिखित तालिका दर्शाती है कि पाटन मार्जिन ..... % है।

विवरण	यूनिट	जांच की अवधि	जांच की अवधि के पश्चात
निर्मित सामान्य मूल्य	अमेरिकी डालर/प्रति मी.टन	***	***
निवल निर्यात कीमत	अमेरिकी डालर/प्रति मी.टन	***	***
पाटन मार्जिन	अमेरिकी डालर/प्रति मी.टन	***	***
पाटन मार्जिन %	%	***	***
पाटन मार्जिन %	रेंज	-11 से -18	-20 से -28

## छ. क्षति का आकलन एवं कारणात्मक संबंधों की जांच

### छ.1 घरेलू उद्योग के विचार

27. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित विचार प्रस्तुत किये हैं:

क) विचाराधीन उत्पाद का चीन जन गण से लगातार पाटन हुआ है। यद्यपि इसकी मात्रा बहुत कम है फिर भी वह ऐसी कीमत स्थापित करने के लिए पर्याप्त है जिसपर पाटनरोधी शुल्क के अभाव में वस्तुओं का आयात किया जा सकता है।

ख) यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिया जाता है तो संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का पाटन तीव्र होने की संभावना है।

ग) आयातों की मात्रा वर्तमान में प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के कारण कम रही है।

घ) व्याप्त पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोदहन पर्याप्त सकारात्मक है।

ड.) बाजार हिस्सा, लाभ और नकद लाभ के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है।

च) पाटनरोधी शुल्क प्रभावी होने के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में उत्पादन एवं घरेलू बिक्रियों के रूप में सुधार हुआ है।

छ) यद्यपि, घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और बिक्री मात्रा में कुछ सीमा तक सुधार करने में सक्षम रहा है परंतु क्षमता उपयोग में गिरावट आयी है। यह इस तथ्य को देखते हुए हुआ है कि घरेलू उद्योग ने बिक्री में वृद्धि होने की उम्मीद में अपनी क्षमता में संवर्धन कर लिया था।

### छ.2. प्राधिकारी द्वारा जांच

28. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यातकों, आयातकों, प्रयोगकर्ताओं और एसोसिएशनों ने इस जांच का प्रत्युत्तर दिया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को क्षति की जांच निम्नवत की है:-

### पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

29. पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन अथवा खपत के संगत रूप से भारी वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नलिखित प्रावधान है:

“पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन या खपत के संगत रूप से भारी वृद्धि हुई है।”

### मांग और मांग में बाजार हिस्से का आकलन

30. विचाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/मांग का परिकलन करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा को भारत में कुल आयातों से जोड़ा है। जांच के दौरान प्राधिकारी ने उक्त जानकारी सौदावार से सौदावार आधार पर प्रदान कराने के लिए डीजीसीआईएंडएस से अनुरोध किया जो प्राधिकारी द्वारा प्राप्त कर ली गई। अतः, प्राधिकारी ने वर्तमान निर्णायक समीक्षा के उद्देश्य के लिए सम्बद्ध वस्तु की मात्रा के संबंध में आयात आंकड़ों के प्रयोजन के लिए आयातों हेतु डीजीसीआईएस से प्राप्त आंकड़ों पर भरोसा किया है।

31. देश में इस उत्पाद की मांग का आकलन घरेलू उत्पादकों तथा सभी स्रोतों से आयातों की घरेलू बिक्री के जोड़ के रूप में किया गया है। कुल आयातों और भारत में मांग में सम्बद्ध देश का हिस्सा निम्नलिखित है:

भारत में मांग	यूनिट	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.टन	15,035	13,823	16,433	16,760
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.टन	41,868	43,080	40,470	40,143
आयात-सम्बद्ध देश	मी.टन	43	39	13	67
आयात- अन्य देश	मी.टन	1,649	2,492	2,683	4,146
कुल मांग	मी.टन	58,595	59,433	59,599	61,116
बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	25.66	23.26	27.57	27.42
अन्य भारतीय उत्पादक	%	71.45	72.48	67.90	65.68
सम्बद्ध देश	%	0.07	0.07	0.02	0.11
अन्य देश	%	2.81	4.19	4.50	6.78

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तु की स्पष्ट खपत संपूर्ण क्षति अवधि में सामान्य स्तर पर बनी रही जबकि जांच के अवधि में इसमें कुछ वृद्धि हुई। पुनः यह नोट किया जाता है कि घरेलू उत्पादकों की बिक्रियां समान स्तर पर ही बनी रहीं। क्षति अवधि के

दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कुछ सुधार हुआ जबकि सम्बद्ध देश का बाजार हिस्सा बिल्कुल कम है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि यह प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के प्रभावों के कारण है और यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो आयातों की मात्रा में वृद्धि होने की संभावना है।

### आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

33. आयातों और बाजार हिस्से के संबंध में जानकारी का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:-

विवरण	यूनिट	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
आयात-चीन जन गण	मी.टन	43	39	13	67
आयात- अन्य देश	मी.टन	1649	2492	2683	4146
कुल आयात	मी.टन	1692	2530	2696	4213
निम्नलिखित के संबंध में बाजार हिस्सा					
कुल आयात	%	2.54	1.53	0.48	1.60
खपत	%	0.07	0.07	0.02	0.11
याचिकाकर्ताओं का उत्पादन	%	0.22	0.14	0.04	0.21

34. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि:

(क) आयातों की मात्रा में गिरावट बहुत निचले स्तर पर पहुंच गई है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि वर्तमान स्थिति तो प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के कारण हुई है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर दिया जाता है तो पाटित आयातों की मात्रा में निश्चय ही पर्याप्त वृद्धि होगी।

(ख) पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध देश से निर्यात किये जा रहे सामान की आवह को रोकने पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है।

(ग) आयात और उसके परिणामस्वरूप आयातों का बाजार हिस्सा संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान स्थिर और बहुत निम्न स्तर पर बना रहा।

35. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में गिरावट आयी है परंतु वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर देने की स्थिति में चीन से पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि होने की सख्त संभावना है। चीन के उत्पादकों की निर्यात सम्भाव्यता पर विचार करते हुए, पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर देने की स्थिति में आयातों की मात्रा में एक बार फिर भारी वृद्धि आ जायेगी।



## पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

### कीमत अधोरदन/ अधोबिक्रयण

36. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के सम्बंध में नियमावली के अनुबंध-II (ii) में उल्लेख है कि:

"नियम 18 के उप-नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन हुआ है अथवा क्या इन आयातों को प्रभाव के कारण अन्यथा कीमतों में भारी मात्रा में कमी होती अथवा वह कीमतों में वृद्धि होने से रोकती जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में हुई होती।"

37. जांच के दौरान, यह परीक्षण किया गया कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन प्रभाव हुआ है, अथवा शुल्क का प्रतिसंहरण करने के पश्चात विपर्यय कीमत प्रभाव की पुनरावृत्ति होने की संभावना है। चूंकि, वर्तमान जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच है इसलिए प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि यदि वर्तमान शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है तो कीमत अधोरदन की सीमा क्या होगी। इस संदर्भ में, प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्रापण, गैर क्षतिकारी बिक्री कीमत तथा सम्बद्ध देश से आयातों की उतराई कीमत का विश्लेषण किया।

38. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की कीमत अधोरदन और अधोबिक्रयण के संदर्भ में जांच की गई है। इस उद्देश्य के लिए घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण (एन एस आर) और गैर क्षतिकारी कीमत (एन आई पी) की तुलना सम्बद्ध देशों से आयातों की उतराई कीमत से की गई। निवल बिक्री प्रापण का परिकलन उत्पाद कर शुल्क, छूट, बट्टा और करों का अपवर्जन करके किया गया। आयातों की उतराई कीमत का परिकलन 1 प्रतिशत उतराई प्रभार, लागू आधारभूत सीमाशुल्क और सम्बद्ध देशों के सी आई एफ मूल्य के उपकर को जोड़कर किया गया। आयातों की उतराई कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की यथा-निर्धारित निवल बिक्री प्रापण से की गई। अधोरदन एवं अधोबिक्रयण की प्रवृत्ति निम्नलिखित है:-

विवरण	यूओएम	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
गैर क्षतिकारी कीमत	रुपया/मी.टन				***
निवल बिक्री प्रापण	रुपया/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	115	119	125

आयातों की उतराई कीमत	रुपया/मी.टन	141,048	53,060	68,249	115,831
कीमत अधोरदन	रुपया/मी.टन	***	***	***	***
कीमत अधोरदन %	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	रेंज	-65 से -82	40 से 50	20 से 32	-12 से -22
कीमत अधोबिक्रयण	रुपया/मी.टन				***
कीमत अधोबिक्रयण %	%				***
कीमत अधोबिक्रयण रेंज	रेंज				-20 से -32

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोरदन एवं अधोबिक्रयण नकरात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के बिना आयातों की उतराई कीमत, वर्ष 2008-09 को छोड़कर, सम्पूर्ण जांच अवधि में घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण और बिक्री लागत की तुलना में उच्च रही है। अतः, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में, उतराई कीमत का वर्तमान स्तर घरेलू उद्योग के उत्पादन को अवरोधन नहीं पहुंचाएगा। इसके अतिरिक्त, यदि घरेलू उद्योग आयात कीमतों पर बिक्री करने का निर्णय लेता है तो घरेलू उद्योग के निष्पादन में वित्तीय क्षति के रूप में कोई नुकसान नहीं होगा।

#### कीमत निग्रहण/अवनमन

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा पर्याप्त विपर्यय कीमत प्रभाव हुआ है, अथवा पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर देने की स्थिति में क्या पर्याप्त विपर्यय कीमत प्रभाव की संभावना है।

41. कीमत निग्रहण एवं मूल्यावसाद प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने जांच की अवधि और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की प्रति यूनिट बिक्री लागत और बिक्री कीमत की जांच की। इस सम्बंध में प्रवृत्तियों का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:-

विवरण	यूओएम	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
बिक्री लागत	रुपया/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	109	118	126

बिक्री कीमत	रुपया/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	115	118	124

42. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में क्षति अवधि के दौरान लगातार वृद्धि हुई। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि बिक्री कीमत में भी यही प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है। तथापि, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि से कुछ कम है। घरेलू उद्योग ने बिक्री लागत में हुई वृद्धि के कारण सम्बद्ध वस्तु की कीमतों में वृद्धि कर दी। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि में आयातों की उतराई कीमत घरेलू उद्योग की घरेलू उद्योग की बिक्री लागत, गैर-क्षतिकारी कीमत और बिक्री कीमत से अधिक है। अतः, पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर देने से बाजार में घरेलू कीमतों पर महत्वपूर्ण विपर्यय कीमत निग्रहण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

### घरेलू उद्योग से सम्बंधित आर्थिक प्राचल

43. नियमावली का अनुबंध-II यह अपेक्षा करता है कि क्षति निर्धारण में सम्बद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच अंतर्गस्त होगी। इसके अतिरिक्त, नियमावली के अनुबंध-II(iv) में निम्नलिखित निर्धारित है:-

"सम्बन्धित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक तथ्यों और देशनाकों का मूल्यांकन करना शामिल होगा जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, इनमें शामिल हैं, बिक्रियां, लाभ, आउटपुट, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश से अर्जन अथवा क्षमता उपयोग में प्राकृतिक और संभावित गिरावट, घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की प्रमात्रा, नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, वेतन, वृद्धि, पूंजी निवेश उगाहने की योग्यता।"

### उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग एवं बिक्री

44. घरेलू उत्पादन की मात्रा और घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालनों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू बिक्री के रूप में की गई। घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा निम्नवत रही है:-

विवरण	यूनिट	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
क्षमता	मी.टन	24,709	37,709	38,629	40,296
उत्पादन	मी.टन	19,850	27,545	32,797	32,517
क्षमता उपयोग	%	80	73	85	81

घरेलू बिक्री	मी.टन	15,035	13,823	16,433	16,760
मांग	मी.टन	58,595	59,433	59,599	61,116

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

i. घरेलू उद्योग ने भारत में उत्पाद की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमता में वृद्धि की। घरेलू उद्योग के उत्पादन ने भी संवर्धित संस्थापित क्षमता तथा सम्बद्ध वस्तु की मांग के अनुरूप बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित की।

ii. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वर्ष 2009-10 में गिरावट आई और फिर इसमें वृद्धि हुई।

iii. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वर्ष 2009-10 में गिरावट आई, वर्ष 2010-11 में इसमें वृद्धि हुई और जांच की अवधि के दौरान इसमें फिर गिरावट आई।

#### लाभ, निवेश पर अर्जन एवं नकद लाभ

46. घरेलू उद्योग द्वारा सम्बद्ध वस्तु की घरेलू बाजार में बिक्री से अर्जित लाभ, नकद लाभ और निवेश पर अर्जन निम्नलिखित हैं:-

विवरण	यूनिट	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
प्रति यूनिट लाभ/हानि	रुपया/मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	205	123	92
घरेलू बिक्रियों पर लाभ/हानि	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	189	134	102
कर एवं ब्याज पूर्व लाभ	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	167	140	126
नकद लाभ	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	188	138	112
निवेश पर अर्जन	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमणिका	100	142	128	140

47. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

i. यद्यपि, आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में उत्पादन लागत और बिक्री कीमत दोनों में ही वृद्धि हुई, फिर भी बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि की तुलना में कुछ कम है।

- ii. घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में वर्ष 2009-10 में सुधार हुआ और फिर जांच की अवधि में तथा वर्ष 2010-11 में इसमें गिरावट आई।
- iii. निवेश पर अर्जन तथा नकद लाभ के मामले में भी समान प्रवृत्तियां प्रदर्शित होती हैं।

### रोजगार, वेतन एवं उत्पादकता

48. घरेलू उद्योग द्वारा सेवा नियोजित कर्मचारियों की संख्या, उनको संदत्त वेतन तथा इसकी उत्पादकता का निम्नलिखित प्रदर्शन होता है:-

विवरण	यूनिट	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	169	193	219
वेतन	लाख रुपये	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	95	112	149
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.टन/संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	82	86	75
उत्पादकता प्रतिदिन	मी.टन/दिन	***	***	***	***

49. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ रोजगार, संदत्त वेतन और उत्पादकता में भी वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, याचिकाकर्ताओं द्वारा यह दावा किया गया कि इस तथ्य पर विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग के संघटक बहु उत्पाद कम्पनियां हैं और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है, परंतु ये प्राचल पाटन के मौजूदा एवं संभावित विपर्यय प्रभाव को प्रदर्शित नहीं करते हैं।

### माल सूची

50. घरेलू उद्योग की मालसूची की स्थिति निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

विवरण	यूनिट	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	107	99	92

51. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में क्षति अवधि एवं जांच की अवधि में गिरावट आई है। तथापि, मालसूची का स्तर महत्वपूर्ण है।

#### घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

52. सम्बद्ध देश से आयात कीमतें, लागत ढांचे में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा उन अन्य कारकों पर विचार करते हुए जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करते हैं, यह प्रदर्शित होता है कि चीन जन. गण. से आयातित सामग्री का उतराई मूल्य घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई गैर क्षतिकारी कीमत की तुलना में अधिक है, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में नकारात्मक कीमत अधोबिक्रयण हुआ। इस उत्पाद की मांग में बढ़ती हुई प्रवृत्ति प्रदर्शित हो रही थी और यह घरेलू उद्योग द्वारा सामना किए जा रहे कीमत निग्रहण के लिए एक उत्तरदायी कारक नहीं हो सकता है।

#### पाटन मार्जिन की मात्रा

53. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सम्बद्ध देश से पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से भी नीचे है।

#### पूंजी उगाहने की क्षमता

54. याचिकाकर्ता कंपनियां बहु उत्पाद कंपनियां हैं। इसलिए, सम्बद्ध वस्तु के पाटन ने घरेलू उद्योग की पूंजी उगाहने की क्षमता को प्रभावित नहीं किया है। तथापि, घरेलू उद्योग के प्रस्तुतीकरणों और विगत के जांच निष्कर्षों से यह नोट किया जाता है कि भारी संख्या में घरेलू उत्पादक लघु क्षेत्र के उत्पादक हैं जो असंगठित क्षेत्र में कार्य करते हैं। यह सभी उत्पादक अपनी अतिजीविता के लिए केवल जिनक आक्साइड के लाभदायक प्रचालनों पर निर्भर हैं।

#### वृद्धि

55. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन, बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से के रूप में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित की है। तथापि, लाभप्रदायकता में गिरावट आयी है जैसा कि निवेश पर अर्जन और नकद लाभ तथा लाभ जैसे प्राचलों से प्रदर्शित होता है। यह

देखा जा सकता है कि संबद्ध देश से आयातों की मात्रा कम है परंतु यह घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत से अधिक है।

### क्षति संबंधी निष्कर्ष

56. उपर्युक्त के आलोक में यह नोट किया जाता है कि:

क. क्षति अवधि में चीन से आयातों की मात्रा समग्र रूप से कम है।

ख. प्रचलित पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत अधोरदन नकारात्मक है।

ग. उत्पादन, घरेलू बिक्री, बाजार हिस्सा, माल सूची और क्षमता उपयोग के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन सकारात्मक रहा है।

घ. लाभ, निवेश पर अर्जन, नकदी प्रवाह और माल सूची के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन विपर्यय रहा है। तथापि, घरेलू उद्योग लाभ अर्जन कर रहा है परंतु इसकी लाभप्रदायकता में गिरावट आयी है।

57. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को मौजूदा समीक्षा अवधि के दौरान आयातों से सतत वास्तविक क्षति नहीं हुई है।

### ज. कारणात्मक संबंध

58. उपर्युक्त तथ्यों से यह निष्कर्ष किया जाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति जांच की अवधि में चीन जनगण. से सम्बद्ध वस्तु के आयातों के कारण नहीं कारित की गई। कारणात्मक संबंधों के बारे में नियमावली के अनुबंध-2 में निम्नलिखित प्रावधान है:-

"यह प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि पाटित आयात, पाटन के प्रभावों के जरिए, जैसा कि ऊपर पैराग्राफ (ii) और (iv) में व्यक्त किया गया है, घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहे हैं। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों का निदर्शन प्राधिकारी के समक्ष संगत साक्ष्य की जांच पर आधारित होना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों के अलावा अन्य ऐसे जात कारकों की भी जांच करेंगे जो घरेलू उद्योग को वैसी ही क्षति कारित कर सकते हैं और उन अन्य कारकों से कारित क्षति के लिए पाटित आयातों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जाना चाहिए। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें, अन्य बातों के साथ-साथ, पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमत, मांग में संकुचन अथवा खपत के प्रतिमान में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएँ और विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रायोगिकी में विकास, और निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है।"

### पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा एवं मूल्य

59. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि से सम्बद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा घटकर नाममात्र के स्तर पर पहुंच गई। अन्य देशों से भी आयात हुए हैं। तथापि, अन्य देशों

से आयातों की मात्रा या तो बहुत कम है या इन देशों से आयातों की कीमतें बहुत उच्च रही हैं। कतिपय मामलों में, जहां मात्रा न्यूनतम से अधिक है और आयात कम कीमतों पर हुआ है, वहां घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि ये आयात चीन की सामग्री के यानान्तरण हैं। अतः, यह नहीं कहा जा सकता है कि अन्य देशों से हुए आयातों ने भी घरेलू उद्योग की क्षति कारित की है।

### मांग में संकुचन

60. विचाराधीन उत्पाद की मांग में कोई नकारात्मक वृद्धि दर्ज नहीं हुई है। इसके बजाय, इसमें वृद्धि हुई है और सकारात्मक बढ़ोत्तरी प्रदर्शित हुई है। अतः मांग में संकुचन एक ऐसा सम्भावित कारण नहीं है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो। इसके अतिरिक्त, ऐसा विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि मांग में गिरावट होने की संभावना है।

### खपत के प्रतिमानों में परिवर्तन

61. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के प्रतिमान में कोई परिवर्तन नहीं आया है। खपत के प्रतिमान में परिवर्तन से घरेलू उद्योग को किसी भी प्रकार की क्षति होने की संभावना नहीं है।

### व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियायें तथा घरेलू एवं विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

62. कोई भी ऐसी व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

### प्रौद्योगिकी में विकास

63. उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में न तो कोई परिवर्तन हुआ है और न ही निकट भविष्य में किसी तरह का परिवर्तन होने की संभावना है। अतः, प्रौद्योगिकी में विकास क्षति का एक कारक नहीं हो सकता है।

### निर्यात निष्पादन

64. याचिकाकर्ता कंपनियां विचाराधीन उत्पाद का निर्यात करती हैं। तथापि, क्षति का आकलन करने के लिए घरेलू बिक्रियों से संबंधित जानकारी पर संभावित सीमा तक विचार किया गया है।



### घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए गए तथा बेचे गए अन्य उत्पादों का कार्य निष्पादन

65. याचिकाकर्ता कम्पनियां बहु उत्पाद कम्पनियां हैं। विचाराधीन उत्पाद के लिए प्रदान कराई गई सूचना में अन्य उत्पादों के सम्बंध में कोई अन्य सूचना नहीं है। अतः, अन्य उत्पादों के निष्पादन ने घरेलू उद्योग की क्षति पर कोई प्रभाव कारित नहीं किया है।

### झ. भारतीय उद्योग का हित

66. सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य ऐसे पाटन का प्रशमन करना होता है जो घरेलू उद्योग को क्षति कारित कर रहा हो तथा भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा की ऐसी स्थिति को पुनर्स्थापित करना है जो देश के आम हित में हो। प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से सम्बद्ध वस्तु का प्रयोग करके विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है और इसके परिणामस्वरूप, इन उत्पादों की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी शुल्क से भारतीय बाजार में पक्षपातरहित प्रतिस्पर्धा घटेगी नहीं। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से पाटन प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ दूर होगा, घरेलू उद्योग को गिरावट से बचाएगा और उपभोक्ताओं को सम्बद्ध वस्तु के व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता करेगा। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों का अधिरोपण सम्बद्ध देश से आयातों को किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए, उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता, आपूर्ति के दो या इससे भी अधिक स्रोत बनाये रख सकते हैं।

### ज. क्षति एवं क्षति मार्जिन का विस्तार

67. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण नियमावली में निर्धारित नियमों के अनुसार किया है। घरेलू उद्योग की इस गैर-क्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए, सम्बद्ध देश से सम्बद्ध आयातों के उतराई मूल्य से की गई। इस प्रकार, क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया:

## क्षति मार्जिन

विवरण	यूनिट	राशि	जांच की अवधि के पश्चात
गैर-क्षतिकारी कीमत	अमेरिकी डालर/मी.टन	***	***
उतराई कीमत	अमेरिकी डालर/मी.टन	2406	2348
क्षति मार्जिन	अमेरिकी डालर/मी.टन	***	***
क्षति मार्जिन (%)	%	***	***
क्षति मार्जिन (%) रेंज	%	- 20% से -30%	-20% से -30%

## ट. पाटन एवं क्षति की अनुवृत्ति और पुनरावृत्ति

68. घरेलू उद्योग ने अपने प्रस्तुतिकरणों में दावा किया कि एक निर्णायक समीक्षा के अंतर्गत यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क का प्रतिसंहरण कर देने से घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है और, अतः, कोई भी परीक्षण जो क्षति विश्लेषण के लिए सूचीबद्ध किये गये कारकों पर आधारित नहीं है, महत्वहीन होगा।
69. पाटन एवं क्षति की निरंतरता की जांच करने के अलावा प्राधिकारी ने पाटन की अनुवृत्ति एवं उसकी पुनरावृत्ति तथा घरेलू उद्योग को क्षति की संभावना की जांच घरेलू उद्योग द्वारा जांच के दौरान प्रस्तुत किये गये साक्ष्यों एवं सूचना के आधार पर की।
70. प्राधिकारी की जानकारी में लाये गये सभी कारकों की जांच यह निर्धारित करने के लिए की गई कि क्या इस शुल्क की वापसी से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की संभावना है। प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति इन आयातों के कारण तब भी होगी जब इस शुल्क को हटा लिया जाता है।
71. किसी भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने कोई प्रत्युत्तर नहीं दिया। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-11 (vii) में दिये गये नियमों और इसके अनुप्रयोग में यथावश्यक परिवर्तनों के आधार पर वास्तविक क्षति की चुनौती के संबंध में प्राचलों पर विचार करते हुए पाटन एवं क्षति की निरंतरता अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना की जांच की, इसमें निम्नलिखित उल्लेख किया गया है:

पाटन एवं क्षति की निरंतरता अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना की जांच की, इसमें निम्नलिखित उल्लेख किया गया है:

“वास्तविक क्षति की चुनौती का निर्धारण आरोप, अटकलों अथवा दूर की संभावना पर आधारित न होकर, केवल तथ्यों पर आधारित होगा। उन परिस्थितियों में परिवर्तन, जो ऐसी हालात का सृजन करती है जिसमें पाटन क्षति कारित कर सकता है, को स्पष्ट रूप से पहले से ही देख लिया जाना चाहिए और वे आसन्न होनी चाहिए। वास्तविक क्षति की चुनौती की मौजूदगी के संबंध में निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी, अन्य बातों के साथ-साथ, ऐसे कारकों पर भी विचार करेंगे, और;

- i) भारत में पाटित आयातों की वृद्धि दर से पर्याप्त रूप से संवर्धित आयातों की संभावना का संकेत मिलता हो।
- ii) निर्यातक की क्षमता में मुक्त रूप से निर्वर्त्य अथवा आसन्न, भारी वृद्धि हुई हो जिससे किसी भी अतिरिक्त निर्यात को आत्मसात करने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पाटित निर्यातों में अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना का संकेत मिलता हो।
- iii) क्या आयात ऐसी कीमतों पर किये जा रहे हैं जिनसे घरेलू कीमतों पर महत्वपूर्ण निग्रहण अथवा अवनमन प्रभाव पड़ता हो और इससे अन्य आयातों के लिए मांग में वृद्धि होने की संभावना हो, और
- iv) जांच की जा रही वस्तु की माल सूची।”

72. घरेलू उद्योग ने नवम्बर, 2011 में “चीन राष्ट्रीय रसायन सूचना केन्द्र” द्वारा प्रकाशित “चीन की जिंक आक्साइड बाजार की अनुसंधान रिपोर्ट” के आधार पर सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन और उसकी मांग, तथा क्षमता के संबंध में सूचना प्रदान करायी है। यह रिपोर्ट विशेष रूप से चीन में जिंक आक्साइड उद्योग के लिए है।

73. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराई गई रिपोर्ट की विस्तृत जांच की गई। कंपनी की वेबसाइट <http://www.cncic.gov.cn/en> के अनुसार चीन राष्ट्रीय रसायन सूचना केन्द्र चीन के रसायन उद्योग में एक सुविख्यात परामर्शदात्री, अनुसंधान एवं सूचना सेवा इकाई है। अतः चीन के उत्पादकों से सहयोग के अभाव में वर्तमान उद्देश्य के लिए इस एजेंसी द्वारा रिपोर्ट को प्रामाणिक, और विशुद्ध साक्ष्य के रूप में माना गया है।

74. प्राधिकारी ने, घरेलू उद्योग द्वारा उक्त रिपोर्ट से प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर यह निर्धारण किया है कि क्या उत्पादकों द्वारा सम्बद्ध देश से किये गये निर्यात पाटित कीमतों पर

किये गये हैं। इस संबंध में प्राधिकारी ने उक्त रिपोर्ट से निम्नलिखित आंकड़ों/ प्रवृत्तियों को नोट किया है:

75. ऊपर उल्लिखित रिपोर्ट से यह नोट किया गया है कि:-

क. चीन में जिंक आक्साइड के कम से कम 99 मध्यम एवं भारी उद्योग चाइनीज उत्पादक हैं जिनकी वर्ष 2010 में सामूहिक क्षमता \*\*\* मी.टन थी और उत्पादन \*\*\* मी.टन था। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट के मुताबिक, कई अन्य छोटे-छोटे संयंत्र भी हैं जिनकी सामूहिक क्षमता और उत्पादन का आकलन क्रमशः \*\*\* मी.टन और \*\*\* मी.टन किया गया है। अतः, उनकी सामूहिक क्षमता \*\*\* मी.टन और उनका सामूहिक उत्पादन \*\*\* मी.टन है।

ख. इस रिपोर्ट में उत्पादकों की व्यक्तिगत सूचना जैसे उसका नाम, पूरा पता, सम्पर्क विवरण, चीन में वह क्षेत्र जहां संयंत्र अवस्थित हैं, उसकी क्षमता और उसके उत्पादन का विवरण होता है।

ग. यद्यपि, भारी संख्या में संयंत्र क्षमताओं में छोटे-छोटे आकार के हैं तथापि कुछ ऐसे संयंत्र भी हैं जिनकी व्यक्तिगत क्षमता 40,000-60,000 मी.टन प्रतिवर्ष है।

घ. अधिकांश उत्पादक जिंक आक्साइड का अपनी क्षमता से बहुत कम उत्पादन करते हैं। वास्तव में, कोई भी उत्पादक अपने संयंत्र का पूर्ण प्रचालन नहीं करता है और सभी उत्पादकों का क्षमता उपयोग अत्यधिक न्यून है और इसके परिणामस्वरूप, उनकी उपयोग न की गई क्षमताएं महत्वपूर्ण रूप से ज्यादा हैं।

ड. वर्ष 2002 से सितम्बर, 2011 तक चीन से जिंक आक्साइड के आयातों एवं निर्यातों का विश्लेषण, जो चीन राष्ट्रीय रसायन सूचना केन्द्र द्वारा किया गया, से यह देखा जाता है कि-

i. चीन जिंक आक्साइड का भारी मात्रा में निर्यात करता रहा है जो वर्ष 2002 में \*\*\* मी.टन और वर्ष 2003 में \*\*\* मी.टन था। तथापि, चीन से निर्यातों में वर्ष 2003 में \*\*\* मी.टन की उच्च मात्रा से भारी गिरावट होकर निर्यात वर्ष 2010 में \*\*\* मी.टन और जनवरी-सितम्बर, 2011 में \*\*\* मी.टन रह गया। अतः, यह देखा जा सकता है कि वैश्विक बाजार में चीन से होने वाले निर्यातों में भारी गिरावट आयी है।

ii. रिपोर्ट यह उल्लेख करती है कि चीन से जिंक आक्साइड के निर्यात की मात्रा उसके आयात की मात्रा की तुलना में सदैव ही अधिक रही है जिससे यह संकेत मिलता है कि चीन

की जिनक आक्साइड संबंधी घरेलू बाजार में आपूर्ति सदैव ही ज्यादा रही अर्थात् इसमें अत्यधिक वेशी क्षमता एवं उत्पादन का प्रदर्शन हुआ था।

च. जिनक संबंधित उत्पाद के उत्पादन में एक प्रमुख कच्चा माल है। चीन ने जिनक के उत्पादन के लिए अपनी क्षमताओं में भारी वृद्धि की है। चीन का जिनक उत्पादन बढ़कर वर्ष 2010 में \*\*\* मिलियन मीट्रिक टन से अधिक तक पहुंच गया और चीन में इससे जिनक की आपूर्ति की बहुतायत हो गयी। यह स्थिति वर्ष 2011 तक बनी रही। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2011 में यूरोपीय ऋण संकट, घरेलू आर्थिक मंदी और जिनक की उच्च माल सूची के कारण जिनक की कीमतों में अक्सर उतार-चढ़ाव आने लगा।

छ. जिनक, जिनक आक्साइड की कीमत का लगभग \*\*\* प्रतिशत के बराबर होता है और जिनक तथा जिनक आक्साइड की कीमतों में उच्च मात्रा का सकारात्मक सह संबंध है।

### सम्बद्ध देश में अनप्रयुक्त क्षमता

76. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सम्बद्ध देश में सम्बद्ध वस्तु की संस्थापित क्षमता और उत्पादन पर विचार करते हुए सम्बद्ध देश के पास घरेलू उत्पादकों द्वारा वास्तविक उत्पादन की तुलना में अत्यधिक अनप्रयुक्त क्षमता है जिसका विवरण निम्नलिखित है:-

इकाई	हजार मी.टन प्रतिवर्ष
चीन की क्षमता	1,100
चीन में उत्पादन	730
उपयोग न की गई क्षमता	370
उपयोग की गई क्षमता%	66.36%
उपयोग न की गई क्षमता %	33.64%

77. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान स्थापित 61,118 मी.टन की भारतीय मांग की तुलना में चीन के उत्पादकों द्वारा प्रयोग न की गई क्षमता 3.70 लाख मी.टन तक थी, जो भारत में इस उत्पाद की मांग को पूरा करने से 6 गुना ज्यादा थी।

### निर्वर्त्यनीय क्षमता और भारत को संभावित निर्यात

78. चीन की घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु का वास्तविक उत्पादन एवं उसकी खपत एवं चीन से जिनक आक्साइड की निर्यात मात्रा, जो आयात मात्रा की तुलना में सदैव ही अधिक रहा है, का विश्लेषण करने के आधार पर प्राधिकारी यह धारित करने का प्रस्ताव करते हैं कि

सम्बद्ध देश में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए अधिशेष निर्वत्यनीय क्षमता है और पाटनरोधी शुल्क वापस ले लेने की स्थिति में ऐसी संभावना है कि चीन जन गण की कंपनियों द्वारा अपनी इस अधिदेश निर्वत्यनीय क्षमता का उपयोग पाटित कीमतों पर सम्बद्ध वस्तु का भारत को निर्यात बढ़ाने के लिए किया जायेगा। सम्बद्ध देश की क्षमता, मांग, उत्पादन और निर्यात की स्थिति निम्नलिखित है:-

यूनिट	हजार मी.टन प्रतिवर्ष
चीन की क्षमता	1,100
चीन में खपत	735
अतिरिक्त क्षमता	365
अतिरिक्त निर्यात संभाव्यता	365

### भारतीय बाजार में कीमत आकर्षकता

79. चीन के उत्पादकों की ऊपर वर्णित प्रयोग न की गई क्षमता और निर्यात संभाव्यता के अतिरिक्त प्राधिकारी ने शुल्क समाप्त कर दिये जाने की स्थिति में पाटन की संभावना की जांच करने के लिए चीन के उत्पादकों हेतु भारतीय बाजार में आकर्षक कीमतों को भी नोट किया है।

80. इस संबंध में, प्राधिकारी ने चीन के वैश्विक रूप से विभिन्न देशों को किये गये निर्यातों से संबंधित चीन के सीमा शुल्क से मास-दर-मास और देश-प्रति-देश आधार पर उपलब्ध जानकारी, जिसकी विश्व व्यापार मानचित्रावली द्वारा पुनः संपुष्टि की गई, की जांच भी की है। इन कीमतों को एफओबी निर्यात कीमत के रूप में मानते हुए इन संव्यवहारों के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का निर्धारण, पाटन मार्जिन के मामले में (एफओबी से फैक्ट्री वाहत्य तथा क्षति मार्जिन के मामले में एफओबी से उतराई कीमत तक का) विधिवत समायोजन करने के पश्चात निर्धारण किया गया है। यह देखा जा सकता है कि जांच की अवधि के दौरान चीन से वैश्विक रूप से विभिन्न देशों को निर्यात की कुल मात्रा 16523 मी.टन थी, जिसमें से 12,400 मी.टन (अर्थात् 75 प्रतिशत) पाटित कीमतों पर थी। इसके अतिरिक्त, चीन से किये गये कुल 16,523 मी.टन निर्यातों में से, 8814 मी.टन (अर्थात् 53 प्रतिशत) निर्यात घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारी कीमत से कम कीमत पर हुआ था।

विवरण	यूनिट	राशि
सभी देशों को निर्यात की कुल मात्रा	मी.टन	16523
□ पाटन कीमतों पर निर्यात की मात्रा (घरेलू	मी.टन	12400

उद्योग के सामान्य मूल्य से तुलना करने पर)		
□ क्षतिकारी कीमतों पर निर्यात की मात्रा (घरेलू उद्योग की गैर क्षतिकारी कीमत से तुलना करने पर)	मी.टन	8814
पाटित निर्यातों का हिस्सा	%	75.05
क्षतिकारी निर्यातों का हिस्सा	%	53.35

81. इस प्रकार, यह देखा जाता है कि तृतीय देशों को चीन के निर्यात का एक बड़ा भाग पाटित कीमतों पर और ऐसी कीमतों पर हुआ था कि अगर उन्हें भारतीय बाजार की ओर मोड़ दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति सहन करनी यह सकती थी। इसके अतिरिक्त, भारत में मांग पर विचार करते हुए, पाटित और क्षतिकारी कीमतों पर निर्यात की यह मात्रा बहुत अधिक है। ऐसा भी देखा जाता है, जैसा कि ऊपर उल्लेख भी किया गया है, कि चीन के उत्पादक अपने उत्पाद के लिए भारतीय मांग की तुलना में कहीं अधिक मात्रा में उपयोग न की गई क्षमता का सामना कर रहे थे और पिछले कुछ वर्षों में चीन से निर्यातों में तीव्रता से गिरावट आई है जिससे शुल्क का प्रतिसंहरण कर देने की स्थिति में पाटन की तीव्रता की संभावना स्पष्ट रूप से स्थापित होती है।

ठ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतीकरण

ठ.1 विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतीकरण

82. किसी भी निर्यातक/आयातक/प्रयोक्ता और अन्य विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने प्रकटन पश्चात कोई विवरण प्रस्तुतिकरण नहीं किया है।

ठ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण

83. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया प्रकटन पश्चात विवरण प्रस्तुतिकरण संक्षेप में निम्नलिखित है

- किसी भी विदेशी उत्पादक ने वर्तमान या पिछली समीक्षा जांचों में न तो सहयोग दिया है अथवा भाग भी नहीं लिया है।
- चीन के सीमा शुल्क आंकड़ों में यथा परिलक्षित भारत को निर्यात कीमत भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों में परिलक्षित आयात कीमत से बहुत कम है। इससे यह प्रदर्शित होता है

कि भारतीय सीमा शुल्क आंकड़ों में रिपोर्ट की गई आयात कीमत उस कीमत की परावर्तक और प्रतिनिधिक नहीं होगी जिनपर संगत अवधि के दौरान चीन से भारत को वस्तु का वास्तव में निर्यात किया गया है।

iii) सम्बद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का भारत को पाटित कीमत पर निर्यात किया जाता रहा जैसा कि चीन के सीमा शुल्क आंकड़ों में उल्लिखित कीमतों द्वारा चीन के सीमा शुल्क आंकड़ों में उल्लिखित कीमतों द्वारा स्पष्टतः उल्लिखित किया गया है।

iv) सामान्य मूल्य सर्वाधिक कार्यकुशल घरेलू उत्पादक के आधार पर अंगीकार किया गया प्रतीत नहीं होता है।

v) मानी गई लागत का अभिज्ञान सामान्य मूल्य के प्रयोजन के लिए नहीं किया गया है। नियमों में वास्तविक लागत पर विचार करने की जरूरत होती है।

vi) याचिकाकर्ताओं ने इस उत्पाद की चीन में घरेलू कीमत एशियन मेटल द्वारा उनकी वेबसाइट पर प्रकाशित सूचना के आधार पर प्रदान की है। इन कीमतों के आधार पर सामान्य मूल्य याचिकाकर्ताओं द्वारा प्राक्कलित सामान्य मूल्य से तुलनीय है। इसके अतिरिक्त इन साक्ष्यों पर विचार करने से यह प्रदर्शित होता है कि तृतीय देशों को पाटित और क्षतिकारी निर्यातों की मात्रा अधिक रही है।

vii) याचिकाकर्ताओं ने निर्यात विवरण चीन की सीमाशुल्क सांख्यिकी के अनुरूप प्रस्तुत किया है। चीन के समस्त निर्यातों का लगभग 75 प्रतिशत निर्यात पाटित आयातों पर हुआ है और कुल निर्यातों का लगभग 53 प्रतिशत निर्यात क्षतिकारी कीमतों पर हुआ है। इससे पाटन और पाटनरोधी शुल्क के अभाव में परिणामी क्षति की संभावना स्पष्टतः स्थापित होती है।

viii) यदि पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति कर दी जाती है तो आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन होने की संभावना है।

ix) चीन के उत्पादकों की क्षमता पर विचार करते हुए भारत की लगभग 60,000 मी.टन की मांग को पूरी तरह से पाटित आयातों द्वारा पूरा किया जा सकता है।

x) चीन की कंपनियों का निर्यात प्रतिशत 20 प्रतिशत से 90 प्रतिशत भिन्न है।

xi) बी ए एस एफ के साथ संयुक्त उद्यम वाली कंपनी शान्डांग बी ए एस एफ कैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया प्रस्ताव यह दर्शाता है कि कंपनी 1,195 पी एम टी एफ ओ बी चीन पत्तन की कीमत उदधृत की है। यह स्पष्टतः भारी पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति प्रदर्शित करता है।

xii) वर्तमान स्वरूप और प्रमात्रा में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को पांच वर्षों की अन्य अवधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।



प्राधिकारी द्वारा जांच की जाती है। (iv)

84. प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर कि घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए तर्कों को दोहराया गया है और प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में संगत पाई गई सीमा तक विचार किया गया है।

3. निष्कर्ष एवं सिफारिश

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के किसी भी निर्यातक और भारत के किसी

आयातक/प्रयोक्ता और अन्य विरोधी हितबद्ध पक्षकारी ने इस जांच में भाग नहीं लिया अर्थात् उन्होंने न तो जांच शुरुआत पश्चात् प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए और न ही मौखिक सुनवाई में

भाग लिया अथवा प्रकटन पश्चात् विवरण प्रस्तुतिकरण भी नहीं किया। घरेलू उद्योग द्वारा

उठाए गए तर्कों, प्रदान कराई गई सूचना और दिए गए प्रस्तुतिकरणों तथा प्राधिकारी के

समक्ष उपस्थित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा पाटन एवं क्षति की निरंतरता की

संभावना के विश्लेषण सहित, उपयुक्त विश्लेषण तथा घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटन

पश्चात् विवरण प्रस्तुतिकरण के आधार पर, प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष निकालते हैं कि:

(i) उत्पादन, घरेलू बिक्रिया, बाजार हिस्सा, मालसूची और क्षमता उपयोग के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन जांच अवधि के दौरान नकारात्मक बना रहा।

(ii) तथापि, लाभ, निवेश पर अर्जन, नकदी प्रवाह, माल सूची आदि के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ा है और यद्यपि घरेलू उद्योग लाभ अर्जन कर रहा है फिर भी उसकी लाभप्रदायकता में गिरावट आई है।

(iii) सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु जांच की अवधि में भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर नहीं आ रही है और पाटन माजिन नकारात्मक है।

(iv) कीमत अधोरदन तथा कीमत अधोबिक्रयण पाटनरोधी शुल्क जोड़े बिना नकारात्मक हैं। इसके अतिरिक्त, क्षति मार्जिन भी नकारात्मक है और जांच की अवधि में आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति कारित नहीं हो रही है।

(v) तथापि, चीन की घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु के वास्तविक उत्पादन और खपत, उपभोग्य क्षमता, निर्यात अनुकूलन और चीन के उत्पादकों द्वारा भारत को निर्यात की संभावित मात्रा तथा चीन के उत्पादकों के लिए भारतीय बाजार में आकर्षक कीमत के विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निर्णय लेने का प्रस्ताव करते हैं कि सम्बद्ध देश में सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन करने की बेशी उपभोग्य क्षमताएं हैं और पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में ऐसी संभावना है कि चीन जन. गण. में कम्पनियों द्वारा अपनी बेशी उपभोग्य क्षमताओं का उपयोग सम्बद्ध वस्तु का भारत को पाटित कीमतों पर निर्यात, प्रत्यक्ष रूप से अथवा यानान्तरण के जरिए, बढ़ाने के लिए किया जाएगा।

(vi) प्राधिकारी ने पुनः यह अवलोकन किया कि इस विचाराधीन उत्पाद को पहले लघु क्षेत्र में उत्पादन करने के लिए आरक्षित किया गया था और इसका आज भी भारत में भारी संख्या में लघु उत्पादकों द्वारा विनिर्माण किया जाता है। इस विचाराधीन उत्पाद के लगभग एक सौ घरेलू उत्पादक हैं और उनमें से अधिकांशतः असंगठित क्षेत्र में हैं। वे 65 प्रतिशत से अधिक घरेलू मांग को पूरा करते हैं। प्राधिकारी चीन जनगण में अधिशेष निस्तारणीय क्षमताओं, तृतीय देशों को उनके निर्यात व्यवहार, भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता को ध्यान में रखते हुए यह निर्धारित करते हैं कि यदि मौजूदा शुल्क की निरंतरता को समाप्त कर दिया गया तो ऐसी संभावना है कि संबद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर आयात बढ़ेगा तथा भारत में असंगठित क्षेत्र के लघु उद्योग के भारी संख्या में उत्पादक इन पाटित आयातों के लिए सुभेद्य हो जाएंगे और उन्हें क्षति होगी।

(vii) अतः, प्राधिकारी, घरेलू उद्योग की संभावित क्षति दूर करने के उद्देश्य से, सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा 7 मई, 2007 की अधिसूचना सं. 64/2007-सीमाशुल्क के तहत उद्घरण किया था, की निरंतरता बनाए रखने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

86. इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए आयातों का उतराई मूल्य सीमाशुल्क द्वारा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क के अन्य सभी शुल्क शामिल होंगे।

87. केन्द्रीय सरकार के इस आदेश के विरुद्ध अपील सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद कर और सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष की जा सकती है।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 25th June, 2013

**Final Findings**

**Subject : Final Findings in the Sunset Review of anti dumping duty imposed on import of Zinc Oxide originating in or exported from China PR-reg.**

**No. 15/14/2011-DGAD:-** Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time, and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995 thereof:

**A. Background of the case**

1. Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules), definitive anti-dumping duty was originally recommended by the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) vide Notification No. 62/1/2000-DGAD dated 5<sup>th</sup> October, 2001 on the imports of 'Zinc Oxide' (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country) and whereas the Central Government imposed definitive anti-dumping duty w.e.f. 09.04.2001 vide its notification no 115/2001-customs of 2<sup>nd</sup> November, 2001.
2. Whereas upon a Sunset Review undertaken by the Designated Authority, the Authority recommended continuation of definitive anti-dumping duty vide its Notification No.15/4/2005-DGAD dated 4<sup>th</sup> April, 2007 and whereas the Central Government issued its Notification No.64/2007-Customs dated 7<sup>th</sup> May, 2007 imposing the definitive anti-dumping duty on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country.
3. Whereas M/s Transpek Silox Limited and M/s Rubamin Limited have filed a duly substantiated application before the Authority in accordance with the Act and the AD Rules alleging dumping of 'Zinc Oxide' originating in or exported from China PR and requested for review, modification and continuation of the anti-dumping duties.
4. And, whereupon in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of AD Rules, the Authority issued a public notice dated 2<sup>nd</sup> May 2012, published in the Gazette

of India, Extraordinary, initiating the sunset review investigation to review the need for continued imposition of duties in force and to examine whether the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

5. And, whereas, the antidumping duty as notified vide Notification No. 64/2007-Customs dated 7<sup>th</sup> May, 2007 was extended up to 6<sup>th</sup> May, 2013 vide Notification No. 27/2012-Customs dated 18<sup>th</sup> May, 2012 in terms of Section 9(A)(5) of the Act.

**Procedure**

6. In this investigation, the procedure described herein-below has been followed:
- The Authority received and duly substantiated Sunset Review application from M/s Transpek Silox Limited and M/s Rubamin Limited as domestic industry for review, enhancement and continuation of the duty in force on imports of Zinc Oxide originating in or exported from China PR. The petitioners submitted prima facie evidence in this regard, requesting for review, continuation and enhancement of the anti dumping duty in force.
  - The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioners to justify initiation of the investigation, decided to initiate sunset review investigation against imports of the subject goods originating in or exported from China PR.
  - The scope of the present review covers all aspects of the previous Notifications.
  - The Embassy of the subject country in India was informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules.
  - The Authority sent copies of initiation notification dated 2<sup>nd</sup> May 2012 to the Embassy of the subject country in India, known exporters/producers from the subject country, known importers and other interested parties and the domestic producers, as per the information available with the Authority. The parties to this investigation were requested to file response to the questionnaire in the form and manner prescribed and make their views known to the Authority in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters/producers were also sent to the Embassy of the subject country in India along with a list of known exporters/producers with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond to the questionnaires within the prescribed time limits.
  - Questionnaires were sent to the following known exporters/producers from the subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules to elicit relevant information:

Anqiu Hengshan Chemical Co  
Danshan Village, Xin'an Street, Weifang,  
Shandong, China (Mainland) Zip: 262109

China Hishine Industry Co. Ltd.  
Shandong Zibo  
High Tech Development Zone, China

<p>Gaoyi Sunpower Chemical Co., Ltd. (Also Called Shijiazhuang Sunpower Technology Co., Ltd.) Shiliangzhuang Industry District, Gaoyi County, Shijiazhuang, Hebei, China (Mainland) Zip: 050000</p>	<p>Hengyang Yuxing Chemical Co., Ltd. (No. 217, 2/F, Chuangye Building) 33 Changfeng Rd., High And New Industrial Development Zone, Hengyang, Hunan, China (Mainland) Zip: 421141</p>
<p>Laiwu Chengjia Chemical Co., Ltd. No. 51, Changshao North Road, (Building along the Street, Yixinyuan Community), Laiwu, Shandong, China (Mainland) Zip: 271100</p>	<p>Liuzhou Glory Zinc Minmetchem Co., Ltd. Rm. 15A05, Block A, Huaxin Int'l, 17 East Tanzhong Rd., Liuzhou, Guangxi, China (Mainland)</p>
<p>Shijiazhuang Xinyuanzinc Co., Ltd. Shiliangzhuang Industry Area, Gaoyi County, Shijiazhuang, Hebei, China (Mainland) Zip: 051330</p>	<p>Weifang Qinglian Zinc Oxide Co., Ltd. South Side Of Yuqing West Street, Foreign Investment Development Zone, Weifang, Shandong, China (Mainland)</p>
<p>Zhengzhou Perfect Chem Co., Ltd. No.0802, 8/F, Unit 2, Yard 86, Zhenghua Rd., Jinshui Dist., Zhengzhou, Henan, China (Mainland)</p>	<p>Zhucheng Yunfeng Zinc Oxide Plant Rongzi Village, Jiayue Town, Weifang, Shandong, China (Mainland)</p>
<p>Zhuzhou Zhong Le Chemical Co., Ltd. South End Of Zhuyi Road, Qingshitang, Shifeng District, Zhuzhou, Hunan, China (Mainland)</p>	<p>Guangxi Chemicals Import And Export Corporation 8<sup>th</sup> Floor, Guangxi-Foreign-Trade-Building No. 137, Qixing Guangxi, China</p>
<p>Sinochem Heinan Company Limited Block 10, Hibuacheng, 31 The 3<sup>rd</sup> Haidian Road Hainan, China</p>	<p>China National Chemical Construction Corporation 16, Qiqu, Hepingli Beijing, China</p>
<p>China Hunan Chemicals Import/Export Ltd 5<sup>th</sup> Floor, Building "B" Furama International Hotel No. 88 Bayi Road, Changsha Hunan, China</p>	<p>Mudanjiang Import &amp; Export Corporation No. 88, Beixio- Amin ST Xian Dist Mudanjiang City Heilongjiang Province, China</p>
<p>Wuxi Chemical Industry Group Co Ltd 274, Xicheng Road</p>	

Wuxi, Jaingsu, China	
----------------------	--

- vii. None of the above producer/exporter has, however, filed questionnaire response.
- viii. Questionnaire was also sent to the following known importers, users and associations of the subject goods in India seeking necessary information:

Zenith Rubber & Plastics Works A-2 Parekh Mahal 80, Veer Nariman Road, Churchgate, Mumbai-400 020	J.S. Gupta & Sons Rampur Road, Moradabad 244001 Uttar Pradesh
Oriental Rubber Industries Limi Shravani Gardens, 20 Viman Nagar Nagar Road Pune, Maharashtra- 411014	Kohinoor India Ltd Basti Bawa Khel, Kaputhala Road, Jalandhar-21
Apollo Tyres Ltd Apollo House, 7, Institutional Area, Sector 32 Gurgaon- 122001	CEAT Ltd. 463, Dr. Annie Besant Road, Mumbai-400030
J K Industries Ltd Link House, 3, Bahadur Shah Zafar Marg New Delhi 110002	Birla Tyres Shivam Chamber, 53, Syed Amir Ali Avenue, Kolkata-700019
MRF Ltd 124, Greams Road Chennai -600006	Balakrishna Industries Ltd 421/422, Creative, 72 N M Joshi Marg Mumbai-400011
Wear Well Near Sapna Dam Village Sohagpur, Distt Betul Madhya Pradesh	Malhotra Rubbers Ltd E-77 Kirti Nagar New Delhi-110015
Goodyear India Ltd Mathura Road, Ballabgarh Road, Haryana -121004	ASSOCHEM 147 B Gautam Nagar, Gulmohar Enclave New Delhi – 110 049

FICCI Federation House Tansen Marg New Delhi – 110 001	Confederation of Indian Industry India Habitat Centre Core 4A (4 <sup>th</sup> Floor) Lodhi Road, New Delhi – 110 003
Automotive Tyre Manufacturers Association PHD House (4 <sup>th</sup> Floor) Opp. Asian Games Village Siri Fort Institutional Area New Delhi – 110 016	The Indian Ceramic Society 101, Neeldeep Towers P.O. Navjivan Ahmedabad – 380 014

- ix. In response to the initiation notification, none of the importers, users or associations has responded.
- x. The import data for the period of investigation and preceding three years was obtained from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S).
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6 (7) of the AD Rules.
- xii. Exporters, producers and other interested parties who have neither responded to the Authority nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties by the Authority.
- xiii. The Authority has examined the information furnished by the domestic producers to the extent possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to analyze the current injury and likelihood of continuation/recurrence of injury and to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- xiv. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority ~~also~~ provided opportunity to all the interested parties to present their views orally in an Oral Hearing held on 10<sup>th</sup> April, 2013. Only the domestic industry participated in the Oral Hearing. The domestic industry was requested to file written submissions of the views expressed orally. The arguments made in the written submissions received from the domestic industry have been considered, wherever found relevant, in this Final Findings Notification.
- xv. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is 1st April 2011 to 31st March 2012. However, injury analysis shall cover the years 2008-09, 2009-10, 2010-11 & the POI. The data beyond the POI may also be examined to determine the likelihood of dumping and injury.



- xvi. The verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information and data submitted by the participating domestic producers.
- xvii. Information provided by the domestic industry on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to the other interested parties.
- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded these findings on the basis of the 'facts available'.
- xix. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 12.06.2013. Only the Domestic Industry responded to the Disclosure Statement and no opposing interested party responded to the said Disclosure Statement. The post Disclosure Statement submissions received from the domestic industry have been considered to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- xx. The original date to complete the investigation was up to 1st May, 2013. However, at the request of the Authority, this date was extended by the Ministry of Finance.
- xxi. \*\*\* In this Final Findings Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.
- xxii. The US exchange rate for the POI has been taken as Rs. 48.14 = 1 US\$ as per notifications issued by the Ministry of Finance.

### 8.1. Submissions made by interested parties and the examination thereof

The domestic industry has submitted that in case of non-participation by other interested parties, the Designated Authority should proceed with the information filed by the domestic industry. Further, no hearing is required in the present case in view of no response by opposing parties.

### 8.2. Product under consideration and Like article

In accordance with Rule 6(e) of the AD Rules, the interested parties to the investigation are required to present their views orally in the first hearing held on 10.04.2013. The domestic industry has submitted that the product under consideration is Zinc Oxide. The product under consideration in the present sunset review investigation is Zinc Oxide. The product under consideration in the present sunset review should remain the same as in the previous investigations, as the present investigation is only a review of the anti-dumping duty already imposed. It is further argued that Zinc Oxide produced by the



domestic industry and imported from China PR are like products and the scope of the product under consideration and like article is not required to be examined in the sunset review. Zinc Oxide is an inorganic chemical and is classified under two different customs classifications under Chapter 28 and Chapter 38 of the Customs Tariff Act. It is submitted that the duty should be recommended on both the classifications.

## D.2 Examination by the Authority

9. The product under consideration in the present investigation is Zinc Oxide of all grades as was in the original investigation. Zinc Oxide is a white/off white powder with chemical formula 'ZnO'. It is produced in three grades, namely, regular, IP and Feed grade. In the regular grade, it has purity of minimum 98% whereas in the IP, it has purity of minimum 99%. It is used in the manufacturer of automobile tyres, rubber goods, high purity zinc chemicals such as sulphate, chloride etc. It is also used as a raw material in ceramic industry and a supplement in animal feed formulations.
10. It is classified under custom subheadings 2817.0010 of Chapter 28 and 3812.3030 of Chapter 38 of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
11. The product under consideration in the present sunset review will remain the same as in the previous investigations, as the present investigation is only a review of the anti-dumping duty already imposed.
12. The goods manufactured by domestic industry and exported from the subject country are identical and technically and commercially substitutable. Therefore, the Authority holds that the subject goods produced by the domestic industry are like articles, as per Rule 2(d) of the Rules Supra, to the product under consideration.

## E. Scope of the Domestic Industry

### E.1 Views of the Domestic industry

13. The domestic industry has submitted that there is no published information available with regard to the production of zinc oxide in the country. At the time of original investigation also, Designated Authority had determined Indian production of Zinc Oxide by assessing consumption of raw material required, i.e., zinc for production of zinc oxide and consumption of zinc oxide by the consumer segment. Petitioners have adopted the same methodology for determination of Indian production of Zinc Oxide in this review investigation also. The petitioners' production constitutes a major proportion of the production of the subject goods in India. Further, in case of sunset review, standing is not required to be seen at the stage of initiation of investigations.
14. The product under consideration was earlier listed under SSI group. However, the product has now been de-listed and the industry is getting geared up to new challenges.

### E.2 Examination by the Authority

15. Rule 2(b) under the AD Rules provides as follows:-

*"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'Domestic Industry' may be construed as referring to the rest of the producers."*

16. The application has been jointly filed by M/s Transpek Silox Limited and M/s Rubamin Limited on behalf of the domestic industry. It has been observed from the previous findings that the domestic industry comprises large number of small scale units. Most of the producers of the product under consideration are in the unorganized sector. The petition has been filed by two largest producers of zinc oxide whose individual production is below 25% but collectively accounts for about 41% of the Indian production. There is no domestic producer of the product opposing the present investigation. As per the information available, the applicants account for a major proportion in the Indian production of the subject goods and, therefore, constitute the domestic industry within the meaning of the Rules.

#### **F. Assessment of Dumping – Methodology and Parameters**

##### **F.1 Views of the Domestic industry**

17. The Domestic industry, in brief, has claimed the following:
- a. None of the Chinese producers has responded.
  - b. Chinese producers should be treated as operating in non market economy environment.
  - c. After the determination of the fact that Chinese producers are not entitled for market economy treatment, the Authority shall follow Para 7 of Annexure I of the AD Rules for the determination of normal value. Normal Value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. In order to arrive at Normal Value on this basis, the Authority shall require complete and exhaustive verifiable information on all domestic sales made by a cooperating producer in such third country along with its cost of production and all other associated information and evidences (including all information in the ordinary course of trade). Principles of fair comparison as laid down under Article 2.4 of the Anti Dumping Agreement are also relevant in this respect. Petitioners have not been able to procure such information from a producer in the market economy third country.
  - d. Normal Value in China has been determined on the basis of cost of production in India, duly adjusted. The petitioners have constructed normal value by adopting the consumption norms and procurement prices of the most efficient producer.

- e. In the original and previous sunset review investigations, the Authority had not granted market economy treatment to any of the exporters from China and determined the normal value in China on the basis of the constructed normal value based on the estimated cost of production of the subject goods in China with reasonable profit in terms of Para 7 & 8 of the Annexure 1 to the said Rules as amended. The petitioners request the Authority to consider the same methodology to calculate the normal value for China PR in the current investigation.
- f. Designated Authority may review the practices of other countries in case of low or no response.

## **F.2 Examination by the Authority**

### **a) Normal value**

18. The Authority had sent questionnaires to the known exporters/producers from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed. There has been no response to the questionnaire nor has there been any submission by the Chinese producers/exporters.
19. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non market economy country in anti-dumping investigations by India subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters/producers in terms of the AD Rules.
20. As per Paragraph 8 of Annexure I of the AD Rules, the presumption of a non-market economy may be rebutted, if the exporter(s)/producer(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject goods from China PR, are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
- The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology, labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
  - The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms; and
- The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

21. It is noted that none of the Chinese exporters/producers has responded to the questionnaire nor submitted response to the market economy treatment questionnaire to rebut the presumption of non-market economy as per para 8(3) of Annexure 1 of Anti-Dumping Rules. In view of absence of cooperation and rebuttal regarding market economy treatment from the Chinese exporters/producers, the Authority has determined normal value by treating exporters from China PR as working under non-market economy and determined normal value in accordance with para 7 of Annexure 1 to the Rules.

22. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that

*"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments".*

23. As the presumption of non-market economy as enshrined under Annexure-I of the AD Rules remains un-rebutted; the Authority has determined the Normal value in accordance with para 7 Annexure I of the AD Rules. In the absence of sufficient information on record regarding the other methods as are stipulated in para 7 of Annexure I of the AD Rules, the Authority has determined the Normal value by adopting the method "any other reasonable basis".

24. The Authority has relied on the prices, consumption norms of raw material, conversion cost and SGA of the most efficient domestic producer. Profit @ 5% on the cost of production has been added to arrive at the constructed normal value. By adopting this method, normal value has been determined as US\$\*\*\* PMT.

#### **b) Export Price**

25. The Authority has obtained transaction wise data of exports of the subject goods from China from DGCIS. To determine the ex-factory export price, adjustment is made to net

export price on account of ocean freight, marine insurance, VAT adjustment @ 4%, commission @ 1%, inland freight, @ 0.5%, port expenses @ 0.5% and bank charges @ 0.2%. After making the adjustments, the ex-factory export price has been determined as US\$ \*\*\* PMT.

### c) Dumping Margin

26. On the basis of the normal value and export price so determined at ex-factory level; the dumping margin during the POI for all exporters/ producers from China PR has been determined as US\$ \*\*\* per MT, which is \*\*\* % of the export price. The table below shows that the dumping margin is \*\*\*%.

Particulars	Unit	POI	Post POI
Constructed Normal Value	US \$/MT	***	***
Net Export Price	US \$/MT	***	***
Dumping Margin	US \$/MT	***	***
Dumping Margin %	%	***	***
Dumping Margin %	Range	-11 to -18	-20 to -28

## G. Assessment of Injury and Examination of Causal Link

### Injury

#### G.1 Views of the domestic industry

27. The Domestic Industry has submitted that:

- There is continued dumping of the product under consideration from China PR. Even though the volume is low, yet the same is sufficient to establish the price at which the goods may be imported in the absence of anti dumping duty;
- Dumping of the product under consideration is likely to intensify from the subject country, should the current anti dumping duty be revoked;
- Volume of imports has remained low as a result of current anti dumping duties in force;
- Price undercutting without prevailing anti dumping duties is significantly positive;
- Performance of the domestic industry deteriorated in terms of market share, profits and cash profit;
- Performance of the domestic industry in terms of production and domestic sales has improved as a result of anti dumping duty being in force;
- Even though the domestic industry was able to improve its production and sales volumes to some extent, the capacity utilization has declined. This is in view of the fact that the domestic industry had enhanced its capacity in anticipation of increase in sales.

**G.2 Examination by the Authority**

28. The Authority notes that none of the exporters, importers, users or associations has responded to the investigations. The Authority has examined the injury to the domestic industry as under:-

**Volume Effect of Dumped Imports**

29. With regard to the volume of the dumped imports, it has been examined that whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the Anti Dumping Rules provides as under:

*"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India"*

**Assessment of demand and market share in demand**

30. For the calculation of the domestic consumption/demand of the product under consideration, the Authority has added sales volume of the domestic industry and other Indian producers to the total imports into India. During the investigation, the Authority requested DGCI&S to provide the said information on transaction to transaction basis, which was received by the Authority. The Designated Authority has, therefore, relied upon the data of from DGCIS for imports for the purpose of imports statistics with regard the quantity of the subject goods for the purpose of present Sunset Review.
31. Demand of the product in the country has been accessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources. The share of subject country in the total imports and demand in India is as follows:

Demand into India	Units	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Sales of Domestic Industry	MT	15,035	13,823	16,433	16,760
Sales of Other Indian Producers	MT	41,868	43,080	40,470	40,143
Imports- Subject Country	MT	43	39	13	67
Imports-Other Countries	MT	1,649	2,492	2,683	4,146
Total Demand	MT	58,595	59,433	59,599	61,116
Market Share					
Domestic Industry	%	25.66	23.26	27.57	27.42
Other Indian Producers	%	71.45	72.48	67.90	65.68
Subject Country	%	0.07	0.07	0.02	0.11
Other Countries	%	2.81	4.19	4.50	6.78

32. The Authority notes that the apparent consumption of the subject goods has remained at the same level over the injury period with a slight increase in the period of investigation. It is further noted that the sales of Indian producers have remained at the same level. The market share of the domestic industry has slightly improved over the injury period whereas the market share of the subject country is quite low. It has been claimed by the domestic industry that this is due to the impact of anti dumping duty

being in force and the volume of imports is likely to increase in the event of cessation of anti dumping duty.

### Import Volume and Market Share

33. The information regarding imports and market share is indicated in the table below:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Imports – China PR	MT	43	39	13	67
Imports – Other countries	MT	1649	2492	2683	4146
Total Imports	MT	1692	2530	2696	4213
Market Share in relation to					
Total Imports	%	2.54	1.53	0.48	1.60
Consumption	%	0.07	0.07	0.02	0.11
Petitioners' Production	%	0.22	0.14	0.04	0.21

34. The Authority observes from the table above that:

- The volume of imports has declined to low level. The domestic industry has claimed that the present situation exists because of the anti dumping duty in force. Should the present anti dumping duty be revoked, there would definitely be substantial increase in the volume of dumped imports.
- The imposition of anti dumping duty has had a positive impact in checking the influx of dumped material being exported from the subject country.
- Imports and consequently the market share of imports have remained constant and at very low level throughout the injury period.

35. The domestic industry has claimed that though the volume of imports has declined over the injury period, there is a strong likelihood of significant increase in the volume of dumped imports from China in the event of cessation of present anti dumping duty. Considering the export potential of the Chinese producers, the volumes would once again surge in the event of revocation of anti dumping duty.

### Price Effect of Dumped Imports

#### Price undercutting/underselling

36. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules states as under:

*"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."*

37. During the investigation, it was examined as to whether there has been a significant price undercutting effect by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of recurrence of adverse price effect after revocation of duty. Since, the present investigation is a sunset review investigation, the Authority is required to consider what would be the extent of price undercutting, if the current duties are allowed to cease. In this context, the Authority has undertaken an analysis of the net sales realization, non-injurious selling price of the domestic industry and the landed price of the imports from the subject country during the period of investigation.
38. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting and price underselling. For this purpose, net sales realization (NSR) and the non-injurious price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed value of imports from the subject country. The net sales realization was arrived at by excluding excise duty, rebate, discount and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge, applicable basic customs duty and cess to the CIF value of the subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry so determined. The trend of undercutting and underselling is given below:

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Non Injurious Price	Rs/MT				***
Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***
<i>Trend</i>		100	115	119	125
Landed price of imports	Rs/MT	141,048	53,060	68,249	115,831
Price undercutting	Rs/MT	***	***	***	***
Price undercutting %	%	***	***	***	***
Price undercutting range	Range	-65 to -82	40 to 50	20 to 32	-12 to -22
Price underselling	Rs/MT				***
Price underselling %	%				***
Price underselling range	Range				-20 to -32

39. The Authority notes that price undercutting and price underselling without anti dumping duty show negative trend. The Authority notes that the landed price of imports without anti dumping duty has throughout remained higher than the cost of sales and the net sales realization of the domestic industry except in 2008-09. Thus, in the event of cessation of current anti-dumping duty, the current level of landed prices would not impair the performance of the domestic industry. Further, if Domestic Industry chooses to sell at import prices, the performance of Domestic Industry would not suffer in terms of financial losses.

#### Price suppression/depression

40. The Authority notes that in a sunset review investigation, the Authority is required to examine whether there was a significant adverse price effect by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of significant adverse price effect in case of revocation of anti dumping duty.



41. To examine price suppression and depression effect, the Authority has examined cost of sales and selling price per unit of the domestic industry during the POI and the injury period. The trends in this regard are given in the table below:

Particulars	UOM	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Cost of sales	Rs/MT	***	***	***	***
Trend		100	109	118	126
Selling Price	Rs/MT	***	***	***	***
Trend		100	115	118	124

42. From the above, the Authority notes that cost of sales of the domestic industry increased consistently over the injury period. The Authority further notes that the selling price also shows the same trend. However, the increase in the selling price is slightly less than the increase in the cost of production in the POI as compared to the base year. Thus, the domestic industry has increased prices of the subject goods because of the increase in the cost of sales. Further, the landed price of imports in the POI is above the cost of sales, non injurious price and selling price of the domestic industry. Thus, cessation of anti dumping duty may not lead to significant adverse price suppression effect on the domestic prices in the market.

#### Economic parameters relating to the domestic industry

43. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of the subject goods. Further Annexure II (iv) of the Rules lays down as follows:-

*"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments"*

#### Production, Capacity, Capacity Utilization and Sales

44. The volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry. Capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry have been as under:-

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Capacity	MT	24,709	37,709	38,629	40,296
Production	MT	19,850	27,545	32,797	32,517

Capacity Utilization	%	80	73	85	81
Domestic sales	MT	15,035	13,823	16,433	16,760
Demand	MT	58,595	59,433	59,599	61,116

45. The Authority notes that:-

- The Domestic Industry increased its capacity to meet the increasing demand of the product in India. The production of domestic industry has also shown increasing trends in line with the increasing installed capacity and the demand for the subject goods.
- Sales volumes of the domestic industry declined in 2009-10 and then increased.
- Capacity utilization of the domestic industry has declined in 2009-10, increased in 2010-11 and then declined again in the POI.

Profits, return on investment and cash profit

46. The profits, cash profit and return on investments earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as under: -

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Per unit profit/loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	205	123	92
Profit/loss on domestic sales	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	189	134	102
Profit before interest & tax	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	167	140	126
Cash Profit	Rs Lacs	***	***	***	***
Trend	Index	100	188	138	112
Return on Investments	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	142	128	140

47. The Authority notes that:

- Whereas both selling price and cost of production have increased in the period of investigation as compared to the base year, the increase in selling price is slightly lower than the increase in cost of production.
- Domestic industry's profitability has improved in 2009-10 and then declined in 2010-11 and then the POI.
- Similar trend is observed in case of cash profit and return on investment also.

Employment, wages and productivity

48. The number of employees employed by the domestic industry, wages paid and its productivity shows as follows:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Employment	Nos	***	***	***	***
Trend		100	169	193	219
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend		100	95	112	149
Productivity per employee	MT/Nos.	***	***	***	***
Trend		100	82	86	75
Productivity per day	MT/day	***	***	***	***

49. The Authority notes that the employment, wages paid and productivity have increased with the increase in production. Further, it has been claimed by the petitioners that considering the fact that the constituents of the domestic industry are multi product companies and the Designated Authority has recommended anti dumping duties, these parameters may not show current and potential adverse impact of dumping.

Inventories

50. Inventory position of the domestic industry is given in the table below:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Average Stock	MT	***	***	***	***
Trend		100	107	99	92

51. It is noted that the average inventories with the Domestic Industry have declined in the injury period and the POI. However, the level of inventory is significant.

Factors affecting domestic prices

52. Consideration of the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed value of imported material from China PR is above the non injurious price determined for the domestic industry, resulting in negative price underselling in the Indian market. Demand for the product was showing increase and could not have been a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry.

Magnitude of Dumping Margin

53. The Authority notes that dumping margin from the subject country is below the de-minimis limits.

**Ability to raise capital**

54. The petitioning companies are multi product companies. Therefore, dumping of the subject goods has not affected the ability of the domestic industry to raise capital. However, it is noted from the submissions of the domestic industry and previous findings that a large number of domestic producers of the product are small scale producers operating in unorganized sector. These producers are dependent on the profitable operations of Zinc Oxide alone for their survival.

**Growth**

55. The Authority notes that the domestic industry has shown positive growth in terms of production, sales volume and market share. However, the profitability has declined as is reflected from parameters such as profits, cash profits and return on investments. It is seen that the volumes of imports from the subject country are low and at prices above the NIP of the domestic industry.

**Conclusion on Injury**

56. In view of the above, it is noted that:
- a. The volume of imports from China in absolute terms is low in the injury period.
  - b. Price undercutting without prevailing anti dumping duties is negative.
  - c. Performance of the Domestic Industry in terms of production, domestic sales, market share, inventories and capacity utilization has remained positive.
  - d. Performance of the Domestic Industry in terms of profits, return on investments, cash flow etc. has shown improvement. However, though the domestic industry is earning profits, its profitability has declined in the POI as compared to the previous years.
57. In view of the above, the Authority concludes that the domestic industry has not suffered continued material injury from imports during the present review period.

**H. Causal link**

58. It is concluded from the above facts that injury to the domestic industry has been not been caused by the imports of the subject goods from China PR in the POI. Annexure 2 to the Rules provides as follows with regard to Causal Link:

*"It must be demonstrated that the dumped imports are, through the effects of dumping, as set forth in paragraphs (ii) and (iv) above, causing injury to the domestic industry. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the domestic industry shall be based on an examination of relevant evidence before the Designated Authority. The Designated Authority shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter-alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in*

*technology and the export performance and the productivity of the domestic industry."*

Volume and value of imports not sold at dumping prices:

59. It is noted that the volume of dumped imports from the subject country has declined to minimal level in the injury period. There are imports from other countries. However, either the volumes of imports from other countries are low or the prices from these countries are high. In certain cases, where volumes are more than de-minimis and at low prices, the domestic industry has claimed that such imports are transshipment of Chinese material. It cannot, therefore, be said that the imports from other countries have also caused injury to the domestic industry.

Contraction in demand:

60. Demand of the product under consideration has not registered any negative growth. Instead, it has increased and shown a positive growth. Thus, contraction in demand is not a possible reason which could have contributed to the injury to the domestic industry. Further, there is no reason to believe that demand is likely to decline.

Changes in the patterns of consumption:

61. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change. Change in the pattern of consumption is unlikely to contribute to the injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers:

62. There is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

Developments in technology:

63. Technology for production of the product has not undergone any change nor are there any likely changes in the coming future. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

Export performance:

64. The petitioning companies export the product under consideration. However, information relating to domestic sales has been taken into consideration for assessment of injury to the extent possible.

Performance of other products produced and sold by the domestic industry:

65. The petitioner companies are multi product companies. The information provided for the product under consideration does not contain any information of other products. Therefore, the performance of other products did not cause any impact over injury to the domestic industry.

### I. Indian Industry's interest:

66. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured by using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

### J. Magnitude of injury and injury margin.

67. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry on the basis of the principles laid down in the Rules. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports from the subject country to determine injury margin. The injury margins for the POI and likely injury margins post POI have, thus, been worked out as follows:

#### Injury Margin

Particulars	Unit	POI	Post POI
Non-injurious Price	US\$/MT	***	***
Landed Price	US\$/MT	2,406	2,348
Injury Margin	US\$/MT	***	***
Injury Margin (%)	%	***	***
Injury Margin (%) range	%	- 20% to -30%	- 20% to -30%

### K. Likelihood of Continuation or Recurrence of Dumping & Injury

68. The domestic industry in its submissions claimed that the requirement under a sunset review is to examine whether revocation of anti dumping duty is likely to lead to continuance or recurrence of injury to the domestic industry and, therefore, any examination which is not based on the factors listed for a threat analysis would be flawed.
69. In addition to the examination of continued dumping and injury, likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry has also been examined by the Authority on the basis of information and evidence as submitted by the domestic industry during the course of the investigations.

70. All factors brought to the notice of the Authority have been examined to determine as to whether there is a likelihood of injury in the event of withdrawal of the duty. The Authority has determined whether injury to the domestic industry is likely to recur due to these imports if the duty is removed.

71. There is no response from any opposing interested party. The Authority examined the likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury considering the parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules, and its application on mutatis mutandis basis, which states as under:

*"A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which would create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the Designated Authority shall consider, inter alia, such factors and;*

*i) a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation.*

*ii) Sufficient freely disposable or an imminent, substantial increase in capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.*

*iii) Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports and,*

*iv) Inventories of the article being investigated."*

72. The domestic industry has provided information regarding capacity, production and demand of the subject goods from the subject country based on "Research Report of China's Zinc Oxide Market" published by "China National Chemical Information Center" in Nov, 2011. The report is specifically for zinc oxide industry in China.

73. The report provided by the domestic industry was examined in detail. As per the website of the company <http://www.cncic.gov.cn/en>, China National Chemical Information Center is a well-known consulting, research and information service unit in the chemical industry of China. Therefore, the report given by the agency has been considered as authentic and accurate evidence for the present purpose in the absence of cooperation from the Chinese producers.

74. The Authority, based on the data presented by the domestic industry from the said Report, has determined whether the exports made by the producers from the subject country are at dumped prices. In this regard, the following data / trends have been noted by the Authority from the said Report:

75. From the above mentioned Report, it is noted that:-

- a. There are at least 99 medium and large scale Chinese producers of zinc oxide in China whose collective capacity in 2010 was 972,000 MT and production was 653,200 MT. Further, as per the report, there are a number of other small plants whose collective capacity and production has been assessed as 1,28,000 MT and 76,800 MT respectively. Therefore, their collective capacity is 11,00,000 MT and collective production is 7,30,000 MT.
- b. The report contains individual producer's information such as its name, complete address, contact details, region in China where the plant is located, capacity and production.
- c. While a large number of plants are small sized in capacities, there are a large number of other plants with significantly high individual capacities as high as 50,000-60,000 MT per annum.
- d. Most of the producers are producing zinc oxide much below their capacities. In fact, almost none of the producers is fully operating the plant and all the producers are having significantly low capacity utilisation and resultantly significantly high unutilised capacities.
- e. As per the analysis of imports and exports of zinc oxide from China from 2002 to September, 2011, carried out by China National Chemical Information Center, it is seen that -
  - i. China has been exporting significant volumes of zinc oxide which were to the tune of 87,000 MT in 2002 and 97,000 MT in 2003. However, exports from China have significantly declined from the high volume of 97,000 MT in 2003 to 16,500 MT in 2010 and 14,000 MT in Jan-Sept. 2011. It is, thus, seen that there is significant decline in China's exports in global market.
  - ii. The reports states that exports volumes of zinc oxide from China was always greater than the import volumes, indicating that Chinese domestic zinc oxide market was always oversupplied, i.e., showing significant excess capacities and production.
- f. Zinc is the major raw material in production of product concerned. China added significant capacities for zinc production. China's zinc production exceeded 5 million MT in 2010 and a serious oversupply of zinc appears in China. The situation lasts to 2011. Further, in 2011, due to European debt crisis, domestic economic slowdown and high zinc inventory, zinc price fluctuated frequently.
- g. Zinc accounts for about 80% of the cost of zinc oxide and there is high degree of positive correlation between zinc and zinc oxide price.



Unutilized Capacity in the Subject Country

76. The Authority notes that considering the installed capacities and production of the subject goods in the subject country, the subject country is having significant unutilized capacity compared to actual production by the domestic producers as detailed below:

Unit	Thousand MT pa
Capacity in China	1,100
Production in China	730
Unutilized Capacity	370
Utilized Capacity%	66.36%
Unutilized Capacity%	33.64%

77. The Authority also notes that as against 61,118 MT of Indian demand established in the POI, the Chinese producers are having unutilised capacities to the extent of 3.70 lacs MT, which is sufficient to take care of six times the Indian demand of the product in the country.

Disposable capacity and potential exports to India

78. Based on the analysis of actual production and the consumption of the subject goods in the Chinese domestic market, and the exports volumes of zinc oxide from China which were always greater than the import volumes, the Authority holds that the subject country has surplus disposable capacities for production of the subject goods and in the event of withdrawal of the anti-dumping duties, there is likelihood of the surplus disposable capacities being utilized by the companies in China PR to enhance the exports of the subject goods to India at dumped prices. Status of capacity, demand, production and exports of the subject country are given below:

Unit	Thousand MT pa
Capacity in China	1,100
Consumption in China	735
Excess Capacity	365
Excess export potential	365

Price attractiveness of the Indian market

79. In addition to the unutilized capacity and export potential of the Chinese producers as highlighted above, the Authority has also noted the price attractiveness of the Indian market for the Chinese producers to examine the likelihood of dumping in the event of removal of duty.
80. In this regard, the information relating to Chinese exports to various countries globally were examined by the Authority on month by month and country by country basis on the basis of China customs information, which has been reconfirmed from the World Trade Atlas. Considering these prices as FOB export prices, dumping margin and injury margin were determined for these transactions, after due adjustments (from FOB to ex-

factory in respect of dumping margin and from FOB to landed price in case of injury margin). It is seen that total volume of exports from China to various countries globally during the period of investigation was 16,523 MT, out of which 12,400 MT (i.e. 75%) was at dumped prices. Further, out of 16,523 MT total exports from China, 8,814 MT (i.e. 53%) was at prices below the non injurious price of the domestic industry.

Particulars	Unit	Amount
Total volume of exports to all countries	MT	16523
• Volume of exports at dumping prices (when compared to normal value of the domestic industry)	MT	12400
• Volume of exports at injurious prices (when compared to NIP of the domestic industry)	MT	8814
Share of dumped exports	%	75.05
Share of injurious exports	%	53.35

81. It is, thus, seen that a very significant proportion of China's exports to third countries was at dumped prices, and at a price where domestic industry would suffer injury, if these exports are diverted to Indian market. Further, considering demand in India, this volume of exports at dumping and injurious prices is quite significant. It is also seen, as stated above also, Chinese producers are faced with significant unutilised capacities, far beyond Indian demand for the product and exports from China have steeply fallen in last few years, which clearly establishes likelihood of intensified dumping in the event of revocation of duty.

#### **L. Post Disclosure Statement submissions by the Interested Parties**

##### **L.1 Post Disclosure Statement submissions by the opposing Interested Parties**

82. None of the exporters/importers/users and other opposing interested parties has made any post Disclosure Statement submissions.

##### **L.2 Post Disclosure Statement submissions by the Domestic Industry**

83. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the domestic industry:

- i) None of the foreign producers has cooperated or even participated in the present and previous review investigations.
- ii) The export price to India as reflected in the China customs data is much lower than the import price reflected in the Indian customs data. This shows that the import price reported in the Indian customs data may not be reflective and representative of the price at which the goods have in fact been exported to India from China during the relevant period.
- iii) Product under consideration continues to be exported to India at dumping prices from the subject country, as is clearly established by the prices mentioned in China customs data.

- iv) The normal value adopted does not appear to be based on most efficient domestic producer.
- v) Normated cost is not recognized for the purpose of normal value. Rules require consideration of actual cost.
- vi) The petitioners provided domestic prices of the product in China based on information published by Asian Metal at their website. Normal value on the basis of these prices is quite comparable to the normal value estimated by the petitioners. Further, consideration of this evidence shows much higher volume of dumped and injurious exports to third countries.
- vii) The petitioners have submitted export statement as per China Customs Statistics. About 75% of total Chinese exports were at dumped prices and about 53% of total exports were at injurious prices. This clearly establishes likelihood of dumping and consequent injury in the absence of anti dumping duty.
- viii) The imports are likely to undercut the prices of the domestic industry in the event of cessation of anti dumping duty.
- ix) Indian demand of nearly 60,000 MT can be easily met entirely by dumped imports, considering the capacities with Chinese producers.
- x) The export percentage of the Chinese companies varies from 20%-90%.
- xi) An offer by Shandong BASF Chemical Co. Ltd., a company in joint venture with BASF, shows that the company has quoted a price of US\$ 1,195 PMT FOB China Port. This offer clearly establishes significant dumping and consequent injury to the domestic industry.
- xii) The present anti dumping duty in its present form and quantum is required to be extended for a further period of five years.

### **L. 3 Examination by the Authority**

84. The Authority has reached to the conclusion that the above arguments of the domestic industry are repetitive and have already been dealt with by the Authority in the Final Findings Notification.

### **M. Conclusion and Recommendation**

85. The Authority notes that none of exporters from China and importers/users and other opposing interested parties in India participated in the investigation, i.e., they neither submitted post initiation responses nor participated in the Oral Hearing or made any post Disclosure Statement submissions. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the domestic industry and facts available before the Authority and on the basis of above analysis including analysis of likelihood of continuation of dumping and injury and post Disclosure Statement submissions made by the Domestic Industry, the Authority concludes and recommends that:

- (i) The performance of the domestic industry in terms of production, domestic sales, market share, inventories and capacity utilization has remained positive during the period of investigation.

- (ii) Performance of the Domestic Industry in terms of profits, return on investments, cash flow etc. has shown improvement. However, though the domestic industry is earning profits, its profitability has declined in the POI as compared to the previous years.
- (iii) The subject goods from the subject country are not entering the Indian market at dumped prices in the POI and dumping margin is negative.
- (iv) Price undercutting and price underselling are negative without adding the anti dumping duties. Further, the injury margin is also negative and the imports are not causing injury to the domestic industry in the POI.
- (v) However, based on the analysis of actual production and the consumption of the subject goods in the Chinese domestic market, disposable capacity, export orientation and potential exports volume of Chinese producers to India and price attractiveness of the Indian market for the Chinese producers, the Authority determines that the subject country has surplus disposable capacities for production of the subject goods and in the event of withdrawal of the anti-dumping duties, there is likelihood of the surplus disposable capacities being utilized by the companies in China PR to enhance the exports of the subject goods to India at dumped prices whether directly or through transshipment.
- (vi) The Authority further observes that the product under consideration was earlier reserved for production in the small-scale sector and even today continues to be manufactured by a large number of small scale producers in India. There are about a hundred domestic producers of the product under consideration and majority of them are in the unorganized sector. They are catering to more than 65% of the domestic demand. The Authority determines that keeping in view the surplus disposable capacities in China PR, their export behaviour to third countries, price attractiveness of Indian market, there is likelihood that if the existing duties are allowed to discontinue, the imports of the subject goods from the subject country are likely to increase at dumped prices and a large number of producers in the small scale unorganized sector in India are likely to become vulnerable to such dumped imports and likely to face injury.
- (vii) The Authority, thus, in order to remove likely injury to the domestic industry, considers it necessary to recommend continuation of definitive anti dumping duty on all imports of the subject goods from the subject country levied by the Central Government vide its Notification No.64/2007-Customs dated 7<sup>th</sup> May, 2007.

86. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.

87. An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J. S. DEEPAK, Designated Authority